संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 19,अंक -294 शनिवार , 26 अगस्त 2023,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

चंद्रयान-3 की सफलता के बाद इसरो का नये मिशन पर काम शुरू

महिला रोबोट को भेजा जाएगा चांद पर

नई दिल्ली,25अगस्त2023(ए)। चंद्रयान 3 की सफलता से ऊर्जा पाकर इसरो अब अपने अगले मिशन की शरुआत कर दी है। इसरो के अगले मिशन को लेकर केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा है कि, भारत अगले साल चांद पर महिला रोबोट 'व्योममित्र' को भेजेगा। इस मिशन की सफलता के बाद इसरो अंतरिक्ष यात्रियों को भेज सकेगा। दरअसल, अंतरिक्ष में इंसानों को भेजने का ट्रायल करने के लिए इसरो गगनयान मिशन को लॉन्च करने की तैयारी में जुटी है। इसे अगले डेढ़ महीने में लॉन्च किया जा सकता है। इस मिशन में मानवरहित विमान को रॉकेट के जरिए अंतरिक्ष में भेजा जाएगा। इसके जरिए इसरो अपने सिस्टम और तैयारियों को परखेगा। अगले साल इस मिशन के दूसरे पड़ाव में 'व्योममित्र' रोबोट को भेजा जाएगा। इसकी मदद से इंसानों के जाने का रास्ता साफ होगा।

कितनी खास है महिला रोबोट दुनिया का बेस्ट स्पेस ह्यूमेनॉयड रोबोट का खिताब मिला

इसरो ने मिशन गगनयान के लिए 24 जनवरी 2020 को यह रोबोट पेश किया था। इसे बनाया ही इसलिए गया था ताकि इंसानों को भेजने से पहले अंतरिक्ष में इसे भेजा जाए। इसके जरिए अंतरिक्ष में इंसानों पर पड़ने वाले असर को समझा जा जाएगा। इसे काम करने के तरीके को सराहा गया और इसे दुनिया की बेस्ट स्पेस एक्सप्लोरर ह्यूमेनॉयड रोबोट का खिताब दिया गया है। इसे कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरू में रखा गया है।

अंतरिक्ष में क्या काम करेगी महिला रोबोट?

दरअसल, महिला रोबोट व्योममित्र इंसानों यानी अंतरिक्ष यात्रियों की तरह काम करेगी। यह गगनयान के क्रू मॉड्यूल को पढ़ेगी और जरूरी निर्देशों को समझेगी। इसके साथ ही यह ग्राउंड स्टेशन में मौजूद वैज्ञानिकों और मिशन की टीम से सम्पर्क करके बात करेगी। इस मानवरहित मिशन के परिणाम ही इंसानों के अंतरिक्ष में जाने का रास्ता खोलेंगे। गगनयान के तीसरे पड़ाव की लॉन्चिंग में भारतीय एस्ट्रोनॉट्स को अंतरिक्ष में भेजा जाएगा।

यह मिशन बहुत खास है क्योंकि इसमें गलती की गुंजाइश नहीं छोड़ी जा सकती। रिपोर्ट के मुताबिक, इस मिशन में भारतीय वासुसेना के काबिल पायलटों को भेजने की तैयारी है। यही वजह है कि इसके लिए तैयारियों में एक-एक बात का ध्यान रखा जा रहा है।

इसरो के चंद्रयान-3 की सफलता के बाद अब दुनिया की नजरें गगनयान मिशन पर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने हालिया संबोधन में इसका जिक्र किया था। जिससे अब दुनिया के साथ भारतीयों की नजरें इसरो के गगनयान मिशन पर बनी हुई हैं।

बद्दी-पिंजौर को जोड़ने वाला पुल गिरा

» 50 से अधिक फंसे हुए लोगों को बचाया गया

शिमला ,25अगस्त2023(ए)। हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में बादल फटने के बाद 50 से अधिक फंसे हुए लोगों को राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) ने बचा लिया। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। शेहनु गोउनी गांव में बृहस्पतिवार को बादल फटने की घटना हुई थी जिससे कई जगहों पर भूस्खलन से सड़कें अवरुद्ध हो गईं। अधिकारियों ने बताया कि एनडीआरएफ का एक दल 15 किलोमीटर पैदल चलकर फंसे हुए लोगों को बचाने पहुंचा और 15 बच्चों समेत सभी लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया। बारिश से संबंधित एक अन्य घटना में, बलाद नदी में पानी के तेज प्रवाह के कारण औद्योगिक बद्दी क्षेत्र और पिंजौर को जोड़ने वाला बद्दी स्थित मारनवाला पुल शुक्रवार को गिर पड़ा।

अधिकारियों ने बताया कि इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ है। बद्दी के पुलिस अधीक्षक मोहित चावला ने कहा, मारनवाला पुल बह गया है और यातायात को कालका-कालूझंडा-बरोटीवाला मार्ग पर मोड़ा गया है। राज्य में भारी बारिश के कारण 709 सड़कें बंद हैं। हिमाचल प्रदेश में 24 जून से हुई मानसून की शुरुआत से 24 अगस्त तक बारिश से संबंधित घटनाओं में 242 लोगों की जान चली गई है। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) को अकेले 2,829 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

विरोधियों पर जमकर बरसे असदुद्दीनओवैसी

देश को तीसरे मोर्चे की जरुरत

नई दिल्ली, 25अगस्त 2023(ए)। एआईएमआईएम के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने विपक्षी गठबंधन आईएनडीआईए को बड़े चौधरियों का क्लब बताया है। ओवैसी ने कहा कि वहां जो लोग बैठे हैं वे हमें गाली देते हैं। उन्होंने कहा कि आईएनडीआईए विपक्षी दलों का विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा कि इस देश पर 50 साल कांग्रेस और 18 साल भाजपा ने शासन किया। उन्होंने कहा कि इस देश को एक तीसरे मोर्चे की सरकार की जरूरत है।

तीसरे मोर्चे ओवैसी ने ये कहा

असदुद्दीन ओवैसी ने अपने बयान में कहा कि, इस देश पर 50 साल कांग्रेस और 18 साल भाजपा ने शासन किया। उन्होंने कहा कि इस देश को एक तीसरे मोर्चे की सरकार की जरूरत है, जो कांग्रेस और भाजपा से हटकर रहें, तभी इस देश का कल्याण होगा। असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि यूएपीए कानून की वजह से आज कई जेलों में लोग तड़प रहे हैं। लोगों को कई सालों से बेल नहीं मिल रही है, क्योंकि कांग्रेस ने यूएपीए कानून का समर्थन किया था। इसके साथ

ओवैसी ने विपक्षी गठबंधन आईएनडीआईए से पूछा कि आपका वैकल्पिक एजेंडा क्या है ? ओवैसी ने आईएनडीआईए गठबंधन में जाने के सवाल पर कहा कि हम अपनी लड़ाई लड़ेंगे।

आईएनडीआईए चौधरियों का क्लबः ओवैसी

ओवैसी ने विपक्षी गठबंधन को बड़े चौधरियों का क्लब बताते हुए कहा, वहां एक बड़े चौधरी बैठे हैं, जिनसे हमारा कोई ताल्लुक नहीं है। वह हमें गाली देते हैं, हमें कुछ और समझते हैं। ओवैसी ने कहा कि उस गठबंधन में मायावती नहीं है, उसमें केसीआर नहीं है। उसमें असम और राजस्थान की कई पार्टियां नहीं है।

चंद्रयान-3 की सफलता के पीछे इस महिला का बड़ा हाथ;लोग 'रॉकेट वुमन' कहते हैं

» भारत की रॉकेट वुमन के नाम से मशहूर डॉ. रितु करिधल श्रीवास्तव

नई दिल्ली, 25अगस्त 2023(ए)।

चंद्रयान-3 को चंद्रमा पर ले जाना 'इसरो' की एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। इसरो ने 14 जुलाई को भारतीय समयानुसार दोपहर 2.35 बजे चंद्रयान-3 को सफलतापूर्वक लॉन्च किया और विक्रम लैंडर 41 दिनों के बाद चंद्रमा पर पहुंच गया। इसका उद्देश्य चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के बारे में पता लगाना और उसके बारे में जानना है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के वरिष्ठ वैज्ञानिकों में से एक डॉ. इस अभियान का नेतृत्व रितु करिधल श्रीवास्तव ने किया है।

भारत की रॉकेट वुमन के नाम से मशहूर डॉ. रितु करिधल श्रीवास्तव उत्तर प्रदेश के लखनऊ की रहने वाली हैं। उन्होंने लखनऊ यूनिवर्सिटी से पढ़ाई की। बाद में, उन्होंने भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) से एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में एमई की डिग्री प्राप्त की। डॉ. रितु करिधल 1997 में इसरो में शामिल हुईं। वह चंद्रयान-2 की मिशन निदेशक और मंगलयान की उप संचालन निदेशक थीं। उन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 20 से अधिक पत्रिकाएँ प्रकाशित की हैं। उनके पास इसरो और नासा के पेपर कटिंग का संग्रह है। डॉ. रितु करिधल हमेशा अंतरिक्ष के बारे में और अधिक जानने के लिए उत्सुक रहती हैं और उनका लक्ष्य कुछ अनोखा करना है। इसके अलावा उन्हें एपीजे अब्दुल कलाम द्वारा 'इसरो यंग साइंटिस्ट अवॉर्ड' से भी सम्मानित किया जा चुका है।

इसके अलावा, उन्हें सोसाइटी ऑफ इंडियन एयरोस्पेस टेक्नोलॉजीज एंड इंडस्ट्रीज द्वारा 'इसरो टीम अवार्ड फॉर मॉम (2015), एएसआई टीम अवार्ड', 'वीमेन अचीवर्स इन एयरोस्पेस' (2017) जैसे कई पुरस्कार मिले हैं।

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर मासूम मीनावाला ने इस पर एक रील बनाई है। जैसा कि दुनिया चंद्रयान-3 का जश्न मना रही है। 'भारत की रॉकेट महिलाओं' का सम्मान करने के लिए एक क्षण लें जो इस मिशन का हिस्सा रही हैं। कई लड़कियां उनसे प्रेरित हुई हैं। यह महत्वपूर्ण क्षण अरबों दिलों की भावनाओं का प्रतीक है। हम डॉ. रितु करिधल जैसे दूरदर्शी लोगों को हार्दिक धन्यवाद देते हैं, कैप्शन में लिखा है। चंद्रयान-3 मिशन के रूप में डॉ. रितु के अभूतपूर्व प्रदर्शन को नेटिज़न्स द्वारा काफी सराहा जा रहा है।

तेलंगाना के भद्राद्री कोठागुडेम जिले में भूकंप के झटके

हैदराबाद,25अगस्त 2023(ए)।

तेलंगाना के भद्राद्रि कोठागुडेम जिले के कुछ हिस्सों में शुक्रवार तड़के 3.5 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप के झटके सुबह करीब 4.43 बजे महसूस किए गए, जिससे लोगों में दहशत फैल गई।

भूकंप के झटके महसूस होने के बाद कुछ जगहों पर लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। उन्होंने बताया कि उन्होंने कुछ अजीब आवाजें सुनीं। अधिक झटकों के डर से उन्होंने कुछ समय खुले में बिताया। अधिकारियों ने कहा कि किसी नुकसान की कोई रिपोर्ट नहीं है। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक, सुबह 4.43 बजे रिक्टर स्केल पर 3.6 तीव्रता का भूकंप आया। इसकी गहराई 30 किमी और स्थान वारंगल से 127 किमी पूर्व में था। इसके केंद्र का अक्षांश 18.04 और देशांतर 80.80 था।

भूकंप के झटके मनुगुरु, शेषगिरी नगर, बापनकुंटा, शिवलिंगपुरम, विट्ठल नगर, राजूपेट, पुजारीनगर, सुंदरय्यानगर, कोठाकोंडापुरम और आदर्श नगर जैसे इलाकों में भी महसूस किए गए।एक हफ्ते में यह दूसरी बार है जब मनुगुरु मंडल में भूकंप के झटके महसूस हुए हैं। 19 अगस्त को हल्का झटका दर्ज किया गया था।लोगों का कहना है कि झटके क्षेत्र में कोयला खनन गतिविधि से जुड़े हो सकते हैं। सिंगरेनी कोयला खदानों में ब्लास्टिंग आमतौर पर दोपहर में की जाती हैं।

मणिपुर हिंसा के सुप्रीम कोर्ट ने 21 सीबीआई मामले असम स्थानांतरित किए

हाई कोर्ट के नामित न्यायाधीश करेंगे सुनवाई

नई दिल्ली, 25अगस्त 2023(ए)। उच्चतम न्यायालय ने मणिपुर हिंसा मामले में निष्पक्ष सुनवाई के मद्देनजर पीड़ितों और गवाह की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा की जा रही 21 मामलों की जांच असम में नामित न्यायाधीशों के एक समूह को स्थानांतरित का शुक्रवार को आदेश दिया।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने दिल दहलाने वाली मणिपुर हिंसक घटनाओं बाद दायर की गई याचिकाओं की सुनवाई के बाद अंतरिम आदेश पारित किया।

पीठ ने गुवाहाटी उच्च न्यायालय से अनुरोध है किया है कि ऐसे न्यायाधीशों का चयन किया जाए जो मणिपुर में प्रचलित एक से अधिक भाषाओं में पारंगत हों।

साथ ही, यह भी निर्देश दिया कि मणिपुर में जहां नामित स्थानीय मजिस्ट्रेट स्थित हैं, वहां इंटरनेट कनेक्टिविटी सुनिश्चित की जाए। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता पीठ के समक्ष कहा कि हम मणिपुर में इंटरनेट कनेक्टिविटी का ध्यान रखेंगे और इसे राज्य में बहाल किया जाएगा। अदालत ने सॉलिसिटर जनरल की इन दलीलों को भी रिकॉर्ड में लिया। शीर्ष अदालत इस मामले में अगली सुनवाई एक सितंबर को करेगी।न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने पीठ की अध्यक्षता करते हुए कहा, मौजूदा चरण में मणिपुर में समग्र माहौल को ध्यान में रखते हुए और आपराधिक न्याय प्रशासन की निष्पक्ष प्रक्रिया सुनिश्चित करने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए हम गुवाहाटी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से एक या अधिक न्यायिक अधिकारियों को नामित करने का अनुरोध करते हैं।शीर्ष अदालत ने अपने आदेश में यह भी कहा कि आरोपी की पेशी, रिमांड, न्यायिक हिरासत, हिरासत की अवधि में विस्तार और जांच के संबंध में अन्य कार्यवाहियों के सभी आवेदनों को दूरी और सुरक्षा मुद्दों को ध्यान में रखते हुए ऑनलाइन मोड में आयोजित करने की अनुमति दी जाती है। पीठ ने यह भी कहा है कि जब भी न्यायिक हिरासत की स्थिति आती है तो वह आने जाने से बचने के लिए मणिपुर में दी जाएगी।न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा, मणिपुर उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश इस उद्देश्य के लिए एक या अधिक मजिस्ट्रेटों को नामित करेंगे। टेस्ट आइडेंटिफिकेशन परेड (टीआईपी) को कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश द्वारा नामित स्थानीय मजिस्ट्रेटों की उपस्थिति में करने की अनुमति है। शीर्ष अदालत के आदेश में कहा गया है कि गिरफ्तारी की मांग करने वाले आवेदन को ऑनलाइन करने की अनुमति दी जाएगी।

पीएम की शैक्षणिक डिग्री मानहानि मामले में अरविंद केजरीवाल को राहत नहीं

» सुप्रीमकोर्ट ने खारिज की याचिका

नई दिल्ली, 25अगस्त 2023(ए)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को गुजरात उच्च न्यायालय के एक फैसले के खिलाफ दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की याचिका खारिज कर दी, जिसमें एक मेट्रोपोलिटन अदालत द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की शैक्षणिक डिग्री से जुड़े आपराधिक मानहानि के मामले में उनकी व्यक्तिगत उपस्थिति की मांग करने वाले आदेशों में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया गया था।

न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और एस.वी.एन भट्टी की पीठ ने आदेश दिया, हम वर्तमान विशेष अनुमति याचिका में नोटिस जारी करने के इच्छुक नहीं हैं, क्योंकि मामला अभी भी उच्च न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है और 29 अगस्त को सुनवाई के लिए तय है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उसे उम्मीद और भरोसा है कि गुजरात उच्च

न्यायालय 29 अगस्त को लंबित याचिका पर फैसला करेगा, जबकि गुजरात विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने वाले सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता को उच्च न्यायालय के समक्ष अपनी सभी दलीलें उठाने की अनुमति दी।

11 अगस्त को, उच्च न्यायालय ने गुजरात विश्वविद्यालय द्वारा दायर आपराधिक मानहानि शिकायत में आप सांसद संजय सिंह को जारी समन को चुनौती देने वाली उनकी पुनरीक्षण याचिका का निपटारा होने तक अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया था।मानहानि का मामला केजरीवाल और सिंह द्वारा कथित तौर पर प्रधानमंत्री मोदी की शैक्षणिक डिग्री के संबंध में दिए गए अपमानजनक बयानों से जुड़ा है। अहमदाबाद की एक मेट्रोपोलिटन अदालत ने मामले में 11 अगस्त को दोनों राजनेताओं को तलब किया था। 5 अगस्त को, सिटी सिविल एंड सेशंस कोर्ट अहमदाबाद ने उनकी पुनरीक्षण याचिका का निपटारा होने तक मुकदमे की कार्यवाही पर रोक लगाने की उनकी याचिका खारिज कर दी थी।

वायनाड में भीषण सड़क हादसा

दुर्घटना में आठ लोगों की मौत

नई दिल्ली, 25अगस्त 2023(ए)।

केरल के वायनाड जिले में शुक्रवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया। वायनाड जिले में एक जीप गहरी खाई में गिर गई, जिसमें आठ लोगों की मौत हो गई।

जीप पलटने से हुई दुर्घटना

जीप के खाई में गिरने से आठ लोगों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि मरने वालों में ज्यादातर महिलाएं शामिल हैं।

जीप में 12 लोग सवार

पुलिस के मुताबिक, यह दुर्घटना करीब साढ़े तीन बजे वलाड-मननथावडी रोड पर हुई। उन्होंने कहा कि जीप में 12 लोग सवार थे। एक चश्मदीद ने बताया कि जीप में एक चाय बगान में काम करने वाली महिलाएं शामिल थीं और जीप मक्कीमाला जा रही थी।

घायलों को भेजा गया अस्पताल

जानकारी के मुताबिक, हादसे में घायल लोगों को मननथावाडी के एक अस्पताल भेजा गया, जिसमें आठ लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने कहा कि घायलों में से दो की हालत गंभीर है।

इधर, मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने वन मंत्री ए के ससींद्रन को दुर्घटनास्थल पर जाने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री कार्यालय ने कहा कि घायलों के इलाज सहित सभी उपायों के समन्वय और अन्य आवश्यक चीजों का ध्यान रखने के निर्देश दिए गए हैं।

जाको राखे साईयां मार सके ना कोय

गोरखपुर में बिहार संपर्क क्रांति हादसे का शिकार होने से बची

पटना , 25अगस्त 2023(ए)। दरभंगा-नई दिल्ली बिहार संपर्क एक्सप्रेस (12565) शुक्रवार को गोरखपुर कैंट स्टेशन के पास हादसे का शिकार होने से बाल-बाल बच गई। दलअसल, वहां बनी नई तीसरी लाइन पर ट्रेन को ग्रीन सिग्नल दे दिया गया। ट्रेन आगे बढ़ भी गई, मगर चालक ने सूझबूझ से ट्रेन को रोक दिया। इसकी जानकारी तुरंत गोरखपुर कंट्रोल को भेजी गयी। इससे रेल अधिकारियों में हड़कंप मच गया।

मौके पर पहुंची आरपीएफ की टीम

नई तीसरी लाइन अभी पूरी नहीं हुई थी। इसे आज क्लियरिंग मिलनी थी। इससे पहले ही स्टेशन मास्टर ने भूलवश इसी नई लाइन पर ट्रेन को ग्रीन सिग्नल दे दिया। इसके बाद ब्लॉक प्वाइंट से ट्रेन के तीन डिब्बे आगे भी बढ़ गए। चालक ने गलती भांपकर ट्रेन को रोक दिया। इस कारण यात्रियों में अफरातफरी मच गई।

सूचना मिलने पर गोरखपुर डिवीजन के सारे रेल अधिकारी पहुंच गए। गोरखपुर स्टेशन से आरपीएफ की टीम भी पहुंच गई। ट्रेन को इस नई रेल लाइन से बैक किया गया, उसके बाद शाम पौने सात बजे दिल्ली के लिए रवाना कर दी गई।

गोरखपुर कैंट यार्ड में चल रहा है एनआई का कार्य

उत्तर पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने बताया कि गोरखपुर कैंट यार्ड में रिमॉडलिंग (एनआई) का कार्य चल रहा है। इस दौरान ट्रेनों को अतिरिक्त सतर्कता के साथ चलाया जा रहा है।

12565 ट्रेन के गोरखपुर कैंट से गोरखपुर आते समय एक असामान्य घटना नोटिस की गई। इसकी जांच के आदेश दे दिए गए हैं। ट्रेन एवं सभी यात्री सुरक्षित हैं। ट्रेन गंतव्य स्थान के लिए रवाना कर दी गई है।

बता दें कि इसके पहले इसी वर्ष जून में ओडिशा के बालासोर में रेल हादसे में 289 से ज्यादा लोगों ने अपनी जान गवां दी थी। वहीं, सैकड़ों लोग घायल हो गए थे। मृतकों में बिहार के भी दर्जनों लोग थे।

संपादकीय

सहमतियों का बिखराव

भारत जैसे बहुलतापूर्ण और विशाल देश को केंद्र से आदेश के जरिए चलाने की सोच विभिन्नता में एकता की तलाश को कमजोर कर रही है। अगर हर क्षेत्र, समुदाय और वर्ग के लोगों देश की परिकल्पना विभाजित होने लगे, तो यह भविष्य के लिए अच्छा संकेत नहीं होगा।
किसी राष्ट्र में लोकतंत्र आम सहमति से चलता है। शिक्षा अगर देश के अलग-अलग क्षेत्रों के लोगों अलग ज्ञान और विश्व दृष्टि देने लगे, तो एक दीर्घकालिक टकराव की जमीन तैयार होने लगती है। अपने देश में फिलहाल ऐसा ही होता दिख रहा है। ताजा मिसाल कर्नाटक सरकार का नई शिक्षा नीति से खुद को अलग कर अपने राज्य के लिए अलग पाठ्यक्रम तैयार करने का फैसला है। ऐसा निर्णय पहले केरल और तमिलनाडु की सरकारें भी ले चुकी हैं। हाल में एनसीईआरटी ने जिन पाठ और अध्यायों को पाठ्यक्रम हटाया, केरल की सरकार ने उन्हें वापस अपने राज्य के स्कूलों में शामिल कर लिया है। उधर तमिलनाडु में नई शिक्षा नीति के साथ-साथ मेडिकल कॉलेजों में दाखिले के लिए होने वाले नेशनल इलिजिबिलिटी एंड एंट्रेंस टेस्ट के खिलाफ वहां की सरकार के साथ-साथ राजनीतिक दलों ने अभी अपने अभियान को अब आंदोलन में बदल दिया है। इसके अलावा भाषा का प्रश्न भी दक्षिणी राज्यों में फिर से सियासी मुद्दा बनता दिख रहा है। हाल में दंड संहिताओं को बदलने के लिए पेश विधेयकों को लेकर यह सवाल और गरमाया है।
सार यह है कि भारत में अनेक महत्वपूर्ण प्रश्नों पर आम सहमति बिखर रही है। भारत जैसे बहुलतापूर्ण और विशाल देश को केंद्र से आदेश के जरिए चलाने की सोच विभिन्नता में एकता की तलाश को कमजोर कर रही है। अगर हर क्षेत्र, समुदाय और वर्ग के लोगों देश की परिकल्पना विभाजित होने लगे, तो भविष्य के लिए उसे एक खतरनाक संकेत ही माना जाएगा। अगर ऐसी सोच लोगों की रोजमर्रा की समस्याओं का समाधान सुझाने में नाकाम हो, तो फिर जोखिम और बढ़ जाता है। यह बात भी ध्यान में रखने की है कि ऐसी समस्याओं का समाधान एकतरफा ढंग से या अपनी सोच थोपते हुए नहीं निकाला जा सकता। संवाद के जरिए सहमति की तलाश ही एकमात्र सही विकल्प है। अगर इस बात को समझा जाए, तो सहमतियों के बिखराव को अभी भी रोका जा सकता है। भारतीय संविधान अपने-आप में मतभेदों के बीच अधिकतम सहमति ढूंढने की एक उत्कृष्ट मिसाल है। इस भावना को अविलंब पुनर्जीवित करने की जरूरत है।

नए संविधान की बात पर विवाद क्यों?

भारत के संविधान में सौ बार से ज्यादा संशोधन हो चुके हैं। लेकिन दुर्भाग्य से भारत में जैसे ही संविधान समीक्षा या उस पर विचार करने या नया संविधान बनाने की बात होती है वैसे ही विवाद शुरू हो जाता है। जाने माने आर्थिक जानकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आर्थिक सलाहकार समिति के अध्यक्ष बिबेक देबरॉय ने एक लेख लिख कर यह विचार जाहिर किया कि अब संविधान को बदलने का समय आ गया है। उन्होंने ÷देयर इज अ केस 'फॉर वी द पीपल' टु एंब्रेस अ न्यू कॉन्स्टिट्यूशन÷ शीर्षक से अंग्रेजी के अखबार 'द मिंट' में लेख लिखा। इसमें उन्होंने कहा कि भारत में एक नया संविधान अपनाने का आधार दिख रहा है और इस बारे में विचार किया जाना चाहिए।
उनके इतना कहते ही देश के लोगों का एक बड़ा समूह उनके ऊपर टूट पड़ा। सोशल मीडिया में उनको गिरफ्तार करने की मांग शुरू हो गई। कहा जाने लगा कि वे संविधान विरोधी हैं और संविधान को नष्ट करना चाहते हैं। हैरानी की बात यह है कि ऐसा कहने वाले ज्यादातर लोग सेकुलर और उदार लोकतांत्रिक व्यवस्था में यकीन करने वाले लोग हैं। ऐसे लोग जिनको लगता है कि भाजपा के मौजूदा राज में लोकतंत्र खत्म हो रहा है और वाक व अभिव्यक्ति की आजादी छीनी जा रही है वे सब कहने लगे की देबरॉय की जुबान बंद की जाए। सोचें, यह कैसी हिप्पोक्रेसी है?
इस समूह ने देबराय का इतना ज्यादा विरोध किया कि उनको कहना पड़ा कि यह लेख उन्होंने निजी हैसियत से लिखा है और प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार समिति का इससे कोई लेना देना नहीं है। इससे पहले सन 2000 की फरवरी में अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने संविधान समीक्षा आयोग का गठन किया था और सुप्रीम कोर्ट के पूर्व चीफ जस्टिस एमएन वेंकटचलैया को उसका अध्यक्ष बनाया था। आयोग में सुप्रीम कोर्ट के रिटायर जज जस्टिस बीपी जीवन रेड्डी, जस्टिस आरएस सरकारिया, लोकसभा के पूर्व महासचिव सुभाष कश्यप, हाई कोर्ट के पूर्व जज जस्टिस के पुन्नैया, भारत सरकार के पूर्व अटॉर्नी जनरल के परासरन, लोकसभा के पूर्व स्पीकर पीए संगमा और जाने-माने कानूनविद् सोली सोराबजी सहित 10 सदस्य बनाए गए थे। आयोग का कार्यकाल पहले एक साल था। बाद में इसे एक साल के लिए और बढ़ाया गया।
ध्यान रह उस समय देश में गठबंधन की सरकारों का दौर था और केंद्र से लेकर राज्यों तक राजनीतिक अस्थिरता थी। उसका हवाला देकर वाजपेयी ने कहा था कि केंद्र और राज्य, दोनों जगहों पर स्थायित्व की आवश्यकता महसूस की जा रही है। इसके अलावा उन्होंने सामाजिक, आर्थिक विकास के लिए लोगों की आकांक्षाओं का हवाला भी दिया था। क्षेत्रीय व सामाजिक असंतुलन को खत्म करने के लिए नई व्यवस्था बनाने की जरूरत भी बताई थी। और साथ ही यह भी स्पष्ट किया था कि संविधान समीक्षा आयोग मौजूदा संविधान के बुनियादी ढांचे और इसके आदर्शों व मूल भावनाओं से कोई छेड़छाड़ नहीं करेगा। विपक्ष का ने यह कहते हुए इसका विरोध किया कि भाजपा संविधान बदल कर अपनी पसंद का संविधान बनाना चाहती है। इस आधार पर विपक्ष ने इस आयोग में शामिल होने से इनकार कर दिया।
इस बार बिबेक देबरॉय ने 23 साल के बाद उन्हीं तर्कों के आधार पर कहा है कि भारत में नए संविधान की जरूरत है।

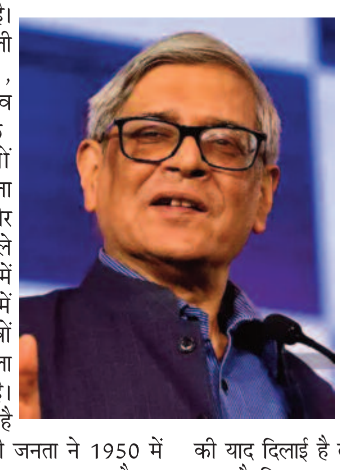

उन्होंने बदली सामाजिक, राजनीतिक व आर्थिक परिस्थितियों का हवाला दिया है और साथ ही पिछले 73 साल में संविधान में हुए बदलावों का भी हवाला दिया है। उन्होंने कहा है कि भारत की जनता ने 1950 में जो संविधान अपनाया था, मौजूदा संविधान वैसा ही नहीं रह गया है। इसमें एक सौ से ज्यादा संशोधन हुए हैं। उनका मानना है कि सारे संशोधन सिर्फ अच्छे के लिए नहीं हुए हैं। याद करें इंदिरा गांधी ने इमरजेंसी के समय जो संशोधन कराए थे। हालांकि बाद में मोरारजी देसाई की सरकार ने उनमें से ज्यादातर प्रावधानों को वापस बहाल कर दिया था। देबरॉय ने नए संविधान की जरूरत पर जोर देते हुए यह भी कहा है कि सुप्रीम कोर्ट का 1973 का बेसिक स्ट्रक्चर वाला फैसला मौजूदा संविधान में संशोधन पर लागू होता है, नए संविधान के ऊपर नहीं।
देबरॉय ने अपनी बात को मजबूती देने के लिए 'यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो लॉ स्कूल' के एक अध्ययन का हवाला दिया है और कहा है कि उसने कई देशों के लिखित संविधानों का अध्ययन किया, जिससे पता चला कि उनकी औसत आयु सिर्फ 17 साल रही है। जबकि भारत में 1950 में अपनाया गया संविधान अब 73 साल का हो चुका है। उन्होंने यह भी कहा है कि भारत का संविधान काफी हद तक गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट 1935 पर आधारित है। इस तरह यह भी उपनिवेश के दिनों से जुड़ा है। बिबेक देबरॉय ने सन 2000 में हुए प्रयास की याद दिलाई है लेकिन साथ ही कहा है कि उस समय जो प्रयास हुआ था वह आधे अधूरे मन से किया गया था। पिछले दिनों आईपीसी, सीआरपीसी और इविडेंस एक्ट में बदलाव के जो तीन बिल आए हैं उनकी ओर इशारा करते हुए देबरॉय ने अपना निष्कर्ष बताया और कहा- कानूनी बदलाव के कई पहलुओं की तरह, यहां-वहां कुछ बदलाव करने से बात नहीं बनेगी। हमें इस बात पर विचार करना होगा कि 2047 में भारत को कैसे संविधान की जरूरत है। हम लोगों को एक नया संविधान बनाना होगा।
अब सवाल है कि अगर बिबेक देबरॉय ने नया संविधान बनाने की जरूरत बताई तो इस पर इतनी हायतौबा मचाने की क्या जरूरत है? अभी कोई नया संविधान नहीं बन रहा है। अभी विचार के स्तर पर एक बात आई है। इस पर वस्तुनिष्ठ तरीके से चर्चा होनी चाहिए कि मौजूदा समय और परिस्थितियों के मुताबिक देश को नए संविधान की जरूरत है या नहीं। अगर नहीं है तो नया संविधान नहीं बनेगा। लेकिन अगर जरुरत है तो बनाया जाना चाहिए। मुश्किल यह है कि बिबेक देबरॉय के विचार का विरोध बहुत सतही और कुछ हद तक राजनीतिक कारणों से किया जा रहा है। यह कहा जा रहा है कि देबरॉय के जरिए सरकार ने एक पत्थर उछाल कर प्रतिक्रिया देखने का प्रयास किया है। यह डर दिखाया जा रहा है कि सरकार संविधान को बदल कर राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ की विचारधारा वाला संविधान ला देगी। विरोध का एक बड़ा आधार यह है कि इस संविधान को डॉ. भीमराव अंबेडकर ने बनाया है, जिसे सरकार बदलना चाहती है।
सोचें, डॉक्टर भीमराव अंबेडकर ने बनाया है इसलिए इसे हमेशा सीने से चिपकाए रखना है चाहे वह कितना भी अप्रासंगिक क्यों न हो जाए? हालांकि भारत का संविधान अप्रासंगिक नहीं हुआ है लेकिन डॉक्टर अंबेडकर के नाम वाले तर्क का अर्थ यही है कि कुछ भी हो जाए इसे नहीं बदला जा सकता। महात्मा गांधी की बात बदली जा सकती है, पंडित नेहरू का किया बदला जा सकता है लेकिन डॉक्टर अंबेडकर का किया नहीं बदला जा सकता है, यह एक नए किस्म का नस्लवाद है, जिसे वोट की राजनीति के नाम पर बढ़ावा दिया जा रहा है। डॉक्टर अंबेडकर का नाम लेकर समाज के दलित, पिछड़ों, वंचितों, आदिवासियों, अल्पसंख्यकों को यह डर दिखाया जा रहा है कि संविधान में उनको जो समानता का अधिकार मिला है या आरक्षण का अधिकार मिला है वह छीन लिया जाएगा। जबकि हकीकत यह है कि मौजूदा या किसी भी सरकार में इतनी हिम्मत नहीं है कि वह आरक्षण को हाथ लगा दे। उलटे सारी सरकारें आरक्षण बढ़ाने में लगी हैं। नरेंद्र मोदी सरकार ने भी गरीब सवर्णों को आरक्षण देकर 10 फीसदी आरक्षण बढ़ा दिया। समानता, स्वतंत्रता सहित कोई भी मौलिक अधिकार कोई सरकार नहीं छीन सकती है। लेकिन राजनीतिक नफा-नुकसान को ध्यान में रख कर नए संविधान के विचार का विरोध किया जा रहा है।
इस विचार का विरोध इस आधार पर भी हो रहा है कि इतिहास में अपना नाम दर्ज कराने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नया संविधान लाना चाहते हैं। जैसे उन्होंने नई संसद भवन बनवाई या नए कानून बनवा रहे हैं उसी तरह नया संविधान बनाएंगे। यह भी कहा जा रहा है कि नए संविधान के जरिए संसदीय प्रणाली को बदल कर अध्यक्षीय प्रणाली को लागू कर दिया जाएगा। इसमें कोई संदेह नहीं है कि कई बदलावों में सरकार की मंशा संदिग्ध है। फिर भी ये सारे खतरे अनुमानित हैं, जिनका कोई ठोस आधार नहीं है। देश की आर्थिक, सामाजिक व राजनीतिक परिस्थितियां बदली हैं। दुनिया बदली है। आबादी की संरचना बदली है। इन बदली परिस्थितियों में बिबेक देबरॉय के सुझाव पर वस्तुनिष्ठ तरीके से विचार किया जाना चाहिए।

-अजीत द्विवेदी-

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

नई टीम से मजबूत होगा कांग्रेस का जनाधार

कांग्रेस अध्यक्ष मलिकार्जुन खरगे ने राष्ट्रीय अध्यक्ष का पदभार संभालने के दस महीने बाद कांग्रेस कार्यसमिति (कांग्रेस वर्किंग कमेटी) की घोषणा कर दी है। नई कार्य समिति में कल 39 सदस्य बनाए गए हैं। वही 32 लोगों को स्थाई आमंत्रित सदस्य तथा 13 लोगों को विशेष आमंत्रित सदस्य बनाया गया है। जिनमें कांग्रेस के चारों अग्रिम संगठनों युवक कांग्रेस, एनएसयूआई, महिला कांग्रेस और सेवादल के प्रमुखों को भी शामिल किया गया है। इस तरह कांग्रेस वर्किंग कमेटी से कुल 84 नेताओं को जोड़ा गया है। कार्य समिति में जहां वरिष्ठ नेताओं को तवज्जो दी गई है वही बड़ी संख्या में नए लोगों को भी शामिल किया गया है।
आगामी लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए कार्य समिति के माध्यम से सभी को साधने का प्रयास किया गया है। कार्यसमिति में सोनिया गांधी, मनमोहन सिंह, राहुल गांधी, अधीर रंजन चौधरी, एके एंथोनी, अंबिका सोनी, मीरा कुमार, दिग्विजय सिंह, सलमान खुर्शिद, प्रियंका गांधी वाड्रा, मुकुल वासनिक, आनंद शर्मा, अजय माकन, जयराम रमेश, भंवर जितेंद्र सिंह, तारीक अनवर जैसे पुराने लोगों को जगह दी गई है। वही सचिन पायलट, दीपक बावरिया, जगदीश ठाकोर, गुलाम अहमद मीर, अविनाश पांडे, दीपादास मुंशी, गौरव गोगोई, कमलेश्वर पटेल, सैयद नासिर हुसैन, महेंद्रजीत सिंह मालवीय जैसे नए लोगों को भी शामिल किया गया है। कार्य समिति में कांग्रेस महासचिव मुकुल वासनिक, कुमारी शैलजा, पूर्व लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार, पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी को प्रमुख दलित चेहरे के रूप में शामिल किया गया है। वहीं सलमान खुर्शीद, तारिक अनवर, गुलाम अहमद मीर, सैयद नासिर हुसैन मुस्लिम समाज का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। कार्य समिति में श्रीमती सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी, अंबिका सोनी, मीरा कुमार, कुमारी शैलजा, दीपा दास मुंशी को बैतोर महिला सदस्य नई कार्यसमिति में शामिल किया गया है। वही श्रीमती प्रतिभा सिंह, मीनाक्षी नटराजन, फूलों देवी नेताम और रजनी पटेल को स्थाई आमंत्रित सदस्य तथा यशोमती ठाकुर, सुप्रिया श्रीनेत, परिणीति शिंदे और अलका लांबा कार्यसमिति में विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में शामिल है। महिला कांग्रेस की प्रमुख नेट्टा डिसूजा पदेन सदस्य के रूप में शामिल की गई है। इस तरह है 84 सदस्यों की कार्यकारिणी में 15 महिला नेताओं को स्थान मिला है। कांग्रेस की नवगठित वर्किंग कमेटी में आनंद शर्मा, शशि थरूर, मनीष तिवारी समेत जी-23 के कई ऐसे नेताओं को भी जगह मिली है जो कांग्रेस आलाकमान के कई निर्णय से नाराज चल रहे थे। इससे पार्टी कार्यकर्ताओं में यह संदेश गया है कि पार्टी सभी को साथ लेकर चलने का प्रयास कर रही है। यदि कोई पार्टी नेता पार्टी के किसी निर्णय से नाराज है तो भी पार्टी की मुख्य धारा में शामिल रहेगा। कांग्रेस कार्यसमिति से पार्टी के चारों मुख्यमंत्रियों को बाहर रखा गया है। जबकि राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पार्टी के सबसे वरिष्ठ नेता है और पिछले वर्ष उनका नाम पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए तय हो गया था। यह पहला मौका है जब मुख्यमंत्रियों को कार्यसमिति में शामिल नहीं किया गया है।
कांग्रेस ने उदयपुर में संपन्न हुए अपने चिंतन शिविर और रायपुर के महाधिवेशन में तय किया था कि पार्टी संगठन में सभी स्तर के पदों में से आधे पदों पर 50 साल से कम उम्र के नेताओं को पदाधिकारी बनाया जायेगा। मगर मौजूदा कार्यसमिति में वरिष्ठ नेताओं की संख्या अधिक है। फिर भी काफी संख्या में नए लोगों को पहली बार कार्य समिति में शामिल कर पार्टी ने नया नेतृत्व आगे लाने का एक सफल प्रयास किया है।
नवगठित कार्यसमिति में लोकसभा से 9 व राज्यसभा से 14 सांसदों को भी शामिल किया गया है। लोकसभा से श्रीमती सोनिया गांधी, राहुल गांधी, अधीर रंजन चौधरी, शशि थरूर व गौरव गोगोई को कांग्रेस कार्य समिति का सदस्य बनाया गया है। प्रतिभा सिंह, मनीष तिवारी को स्थाई आमंत्रित सदस्य व के सुरेश व मणिकम टैगोर को विशेष आमंत्रित सदस्य बनाया गया है। वहीं राज्यसभा से पार्टी अध्यक्ष मलिकार्जुन खरगे, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, दिग्विजय सिंह, पी चिदंबरम, मुकुल वासनिक, अभिषेक मनु सिंघवी, जयराम रमेश, रणदीप सिंह सुरजेवाला, सैयद नासिर हुसैन, केसी वेणुगोपाल को कार्यसमिति का सदस्य बनाया गया है। दीपेंद्र सिंह हुड्डा, फूलों देवी नेताम, रजनी पटेल स्थाई आमंत्रित तथा राजीव शुक्ला विशेष आमंत्रित सदस्य बनाए गए हैं।
कार्य समिति में शामिल 50 साल से कम उम्र के नेताओं में सचिन पायलट 46 वर्ष, गौरव गोगोई 43 वर्ष और कमलेश्वर पटेल 49 साल के हैं। स्थाई आमंत्रित सदस्यों में मानिकम टैगोर 48 वर्ष, दीपेंद्र हुड्डा 45 वर्ष, मीनाक्षी नटराजन 50 वर्ष और कन्हैया कुमार 36 वर्ष के हैं। वही विशेष आमंत्रित सदस्यों में महाराष्ट्र की पूर्व मंत्री यशोमती ठाकुर 49 वर्ष, पार्टी के सोशल मीडिया विभाग की प्रमुख सुप्रिया श्री नेत 46 वर्ष, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री सुशील कुमार शिंदे की विधायक पुत्री परिणीति शिंदे 42 वर्ष, दिल्ली की पूर्व विधायक अलका लांबा 47 वर्ष, युवा कांग्रेस के अध्यक्ष श्रीनिवास बीबी 41 वर्ष, महिला कांग्रेस की अध्यक्ष नेट्टा डिसूजा 48 वर्ष और एनएसयूआई के अध्यक्ष नीरज कुंदन 33 वर्ष के हैं। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी व राजस्थान से सचिन पायलट को राहुल गांधी की निकटता के चलते कार्य समिति में शामिल किया गया है। आने वाले समय में पंजाब में चरणजीत सिंह चन्नी व राजस्थान में सचिन पायलट बड़ी भूमिका निभाएंगे।
कुछ माह पूर्व कर्नाटक व हिमाचल प्रदेश में संपन्न हुए विधानसभा के चुनाव में कांग्रेस ने भारी बहुमत से सरकार बनाकर अपनी राजनीतिक ताकत का एहसास कर दिया था। कर्नाटक व हिमाचल में भाजपा की सरकार चल रही थी। जिसे हराकर कांग्रेस ने सरकार बनाई थी। इसी साल के अंत तक राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, मिजोरम व जम्मू एवं कश्मीर विधानसभा के चुनाव होने हैं। लोकसभा चुनाव से पहले इन प्रदेशों की विधानसभा चुनावों के नतीजे 2024 के लोकसभा चुनावों पर गहरा असर डालेंगे। कांग्रेस का प्रयास है कि लोकसभा चुनाव से पहले राजस्थान व छत्तीसगढ़ जहां उनकी पार्टी की सरकार है वहां फिर से अपनी सरकार बनाई जाए। मध्यप्रदेश में भाजपा ने दलबदल करवाकर कांग्रेस की सरकार गिरा दी थी। वहां फिर से कांग्रेस पार्टी की सरकार बनाकर पार्टी को मजबूत किया जाए। कांग्रेस पार्टी तेलंगाना में भी अपने खोए हुए जनाधार को फिर से हासिल करने के लिए पूरा जोर लगा रही है। विपक्षी दलों के कई बड़े नेता पिछले दिनों वहां कांग्रेस की सदस्यता ले चुके हैं।
कांग्रेस पार्टी का पूरा ध्यान अगले लोकसभा चुनावो पर केंद्रित है। कांग्रेस के बड़े नेता चाहते हैं कि हाल ही में बनाए गए इंडिया गठबंधन को एकजुट कर अगला लोकसभा चुनाव लड़ा जाए। ताकि केंद्र से भाजपा को सत्ता को हटाया जा सके। कांग्रेस आलाकमान इंडिया गठबंधन में शामिल उन सभी दलों से अपने राजनीतिक संबंध सामान्य करने का प्रयास कर रहा है जिससे आगे चुनाव में आपसी सहमति से सीटों का बंटवारा कर भाजपा के खिलाफ एक सीट पर एक ही प्रत्याशी उतारा जा सके। कांग्रेस के राष्ट्रीय नेतृत्व का पूरा जोर विपक्षी एकता को सुदृढ़ करने पर लगा हुआ है। जिसका लाभ उन्हें आने वाले चुनाव में मिलने की संभावना नजर आ रही है।

रमेश सर्राफ धमोरा
झुंझुनू, राजस्थान

क्रांतिवीर प्रफुल्ल चाकी : देशभक्ति का सुवासित सुमन

दिनांक 1 मई, 1908। पटना के निकट मोकामा घाट रेलवे स्टेशन। मुजफ्फरपुर से आने वाली ट्रेन प्लेटफार्म पर रुकने ही वाली थी कि एक बोगी से एक 20 वर्षीय युवक तेजी से उतरा और प्लेटफार्म के एक छोर की ओर भागने लगा। उसे पकड़ने उसी बोगी से उतर एक व्यक्ति तेजी से उसके पीछे भागा। पूरे स्टेशन पर पुलिस अधिकारी और सिपाहियों का सख्त घेरा। भारी पुलिस बल का घेराव भेदकर वह युवक एक आड़ के पीछे छिप कर पुलिस को चकमा देना चाहता था पर पुलिस ने फायरिंग शुरू कर दी। अन्य यात्री दहशत से इधर-उधर भाग सुरक्षित जगहों पर ठहर घटना को समझने लगे। पुलिस फायर करते हुए युवक के निकट जाना चाहती थी ताकि उसे जीवित गिरफ्तार कर ले पर युवक की जवाबी फायरिंग से पुलिस के पांव ठिठक गये। दो घंटे से अधिक चली फायरिंग के बाद युवक ने अपने पास बची अंतिम गोली चलाने से पहले मातृभूमि की रज माथे पर मली और अपने सिर पर गोली मार ली। सिपाही शव को पुलिस चौकी ले आये और सब इंस्पेक्टर नंदलाल बनर्जी ने मुजफ्फरपुर के जज किंग्सफोर्ड के आदेश पर शव का सिर धड़ से काटकर स्पिरिट भरे डिब्बे में रख मुजफ्फरपुर अदालत में हाजिर हुआ। वहां जानकारी हुई कि यह दिनेश चंद्र राय नहीं बल्कि युगांतर संस्था से जुड़ा बारीन्द्र घोष का प्रिय साथी रंगपुर का प्रसिद्ध क्रांतिकारी प्रफुल्ल चाकी है जो किंग्सफोर्ड पर किये गये बम हमले शामिल था। पुलिस के हाथ अनायास एक बड़ी सफलता हाथ लगी गई थी।

प्रफुल्ल चाकी का जन्म एक सम्पन्न कायस्थ परिवार में बंगाल प्रेसीडेंसी अंतर्गत बोगरा जिला अंतर्गत बिहारी गांव में (जो अब बांग्लादेश में है)10 दिसम्बर, 1888 को हुआ था। माता स्वर्णमयी देवी शिशु को निहारते प्रसव पीड़ा को भूल खुशी में मग्न हो गयीं। पिता राजनारायण चाकी बोगरा स्टेट में एक सामान्य कर्मचारी के रूप में कार्यरत थे। परिवार में हंसी-खुशी का बसेरा था। पर निर्मम काल ने दो वर्षीय बालक प्रफुल्ल के सिर से पिता की स्नेह छाया छीन ली। परिवार में मानो बज्रपात हो गया। पालन-पोषण में मां ने अनेक कष्ट सहे पर धैर्य न खोया। माता की जीवटता और कर्मठता का प्रभाव प्रफुल्ल पर पड़ना ही था। उसने मनोयोग से जीवन की प्रथम सीढ़ी पर कदम रखे। प्राथमिक शिक्षा हेतु उसका नामांकन जनता प्रसाद इंग्लिश स्कूल में कराया गया। तत्पश्चात रंगपुर जिला स्कूल से आगे की पढ़ाई पूरी की। वह विद्यालय में उपलब्ध स्वामी विवेकानंद साहित्य पढ़ने के कारण उनके राष्ट्रीय एवं सामाजिक उत्थान के विचारों से बहुत प्रभावित हुए। उसी कालावधि में रंगपुर में स्वामी महेश्वरानंद एक गुप्त क्रांतिकारी संगठन बनाकर समाज में राष्ट्रवाद की अलख जगा रहे थे। प्रफुल्ल उनके संगठन में शामिल होकर कार्य करने लगे। प्रफुल्ल को व्यायाम-कसरत करने, कुश्ती लड़ने और तैराकी करने का नियमित अभ्यास था। लाठी चलाने में तो महारत हासिल थी। घुड़सवारी भी कर लेते थे। इस कारण उनकी कद-काठी बलिष्ठ और ऊंची थी। अभी वह कक्षा 9 में ही थे कि लार्ड कर्जन द्वारा बंगाल का विभाजन कर दिया गया। परिणामस्वरूप एक उग्र और राष्ट्रीय आंदोलन ने आकार लिया। देशभर में बंग-भंग के विरोध में धरना-प्रदर्शन होने लगे। बंगाल के स्कूल-कालेज की कक्षाएं रिक्त होने लगीं, और छात्र दिलों में राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता की दिव्य ज्योति जलाए

अंग्रेजी सत्ता के विरोध में सड़कों पर उतर आये। रंगपुर में प्रफुल्ल चाकी ने छात्रों का प्रेरक नेतृत्व किया। फलतः प्रफुल्ल को स्कूल से निकाल दिया गया। स्कूल से इस निष्कासन ने किशोर प्रफुल्ल के हृदय में धधकती देशभक्ति की अग्नि में घी-गुग्गुल का काम किया। तब प्रफुल्ल ने रंगपुर नेशनल स्कूल में प्रवेश लिया। यहां उनका सम्पर्क जितेंद्र नारायण राय, अविनाश चक्रवर्ती, ईशानचंद्र चक्रवर्ती आदि क्रांतिकारियों से हुआ। संयोग से इसी समय युगांतर के संगठन विस्तार के लिए अरविंद घोष के भाई बारीन्द्र घोष रंगपुर आए हुए थे और युवकों एवं छात्रों से देश की स्वतंत्रता हेतु युगांतर से जुड़कर अंग्रेजी सत्ता के विरुद्ध संघर्ष का आह्वान कर रहे थे। बारीन्द्र घोष के विचारों से प्रफुल्ल चाकी बहुत प्रभावित हुए और प्रत्यक्ष भेंटकर युगांतर से जुड़ने की इच्छा व्यक्त की। बारीन्द्र उनको अपने साथ कलकत्ता ले आये। यहां प्रफुल्ल की भेंट अरविंद घोष, कन्हाई लाल दत्त, खुदीराम बोस, उल्लासकर दत्त, सत्येन्द्र नाथ बोस आदिक अनेक क्रांतिकारियों से हुई। प्रफुल्ल ने कुछ दिनों बाद ही कोई महत्वपूर्ण कार्य देने हेतु संगठन से इच्छा व्यक्त की। तब संगठन ने उसे एक अन्य क्रांतिकारी के साथ पूर्वी बंगाल एवं असम के पहले लेफ्टिनेंट गवर्नर सर जोसेफ बम्मफील्ड फुलर, जिसको बाद में उत्कृष्ट सेवा के लिए सरकार द्वारा नाईट की उपाधि प्रदान की गई थी, की हत्या करने का काम सौंपा। दोनों क्रांतिकारियों ने कई दिन तक फुलर पर हमले का प्रयास किया पर अत्यधिक सुरक्षा व्यवस्था के कारण असफल हो लौट गये। प्रफुल्ल चाकी खाली हाथ लौटने से निराश थे और शीघ्र ही किसी बड़े काम को अंजाम देना चाहते थे। समय ने अवसर थाल में सजाकर जैसे भेंट किया हो क्योंकि संगठन ने मुजफ्फरपुर के जज डगलस किंग्सफोर्ड को मारने का दायित्व खुदीराम बोस और प्रफुल्ल चाकी को दिया। दोनों कलकत्ता से मुजफ्फरपुर पहुंचे। खुदीराम बोस और प्रफुल्ल चाकी क्रमशः दुर्गादास सेन और दिनेश चंद्र राय के छद्म नाम से एक धर्मशाला में ठहर किंग्सफोर्ड पर नजर रखने लगे। 30 अप्रैल, 1908 के दिन एक ठोस योजना के साथ दोनों हमले हेतु यूरोपियन क्लब के बाहर किंग्सफोर्ड की घोड़ागाडी का इंतजार करने लगे। ज्यों ही गाड़ी क्लब से बाहर निकली खुदीराम ने बम फेंका, गाड़ी के परखच्चे उड़ गये। किंग्सफोर्ड पर हमले को सफल मान दोनों वहां से सुरक्षित भाग खड़े हुए। पर दुर्योग से किंग्सफोर्ड उस गाड़ी में न होकर उसके पीछे की दूसरी गाड़ी में होने से साफ बच गया। अंग्रेज सरकार में हड़कंप मच गया। तुरंत घटना की सूचना और हमलावरों को पकड़ने का संदेश पुलिस स्टेशनों तक पहुंचा दिया गया। हमले में दो निर्दोष महिलाओं के मारे जाने से दोनों क्रांतिकारी दुखी थे क्योंकि निर्दोषों क हत्या करना उनका उद्देश्य न था। शहर से बाहर भागने के रास्ते बंद थे, संदिग्ध पकड़े जा रहे थे।

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि किंग्सफोर्ड पर बम हमले में दो अंग्रेज महिलाओं के मारे जाने की निंदा करते हुए महात्मा गांधी ने कहा था कि ऐसी हिंसा भारत को स्वतंत्रता प्रदान नहीं करने देगी। किंतु मराठी भाषी पत्र %केसरी% के संपादक लोकमान्य बालगंगाधर तिलक ने बम हमले की सराहना करते हुए लिखा, ÷हमेशा अनर्गल शक्ति का प्रयोग करने वाले शासकों को यह याद रखना चाहिए कि मानवता के धैर्य की हमेशा एक सीमा होती है और इसलिए हिंसा चाहे कितनी भी निंदनीय हो, अपरिहार्य हो गई है।÷ यह लेख लिखने के कारण तिलक जी को राजद्रोह के आरोप में गिरफ्तार कर कारावास में डाल दिया गया, अस्तु।

बम हमले के बाद खुदीराम बोस और प्रफुल्ल चाकी अलग-अलग रास्तों से सुरक्षित निकल भागे। प्रफुल्ल चाकी मुजफ्फरपुर से कलकत्ता जाने हेतु पटना के लिए ट्रेन पकड़ी। जिस बोगी में प्रफुल्ल बैठे थे संयोग से उसी बोगी में पुलिस सब इंस्पेक्टर नंदलाल बनर्जी भी यात्रा कर रहा था जिसे बम हमले और भागे हुए क्रांतिकारियों के बारे में पूरी जानकारी थी। प्रफुल्ल के हाव-भाव एवं असहजता देखकर उसे शक हुआ। उसने प्रफुल्ल से सामान्य बातचीत कर अपने शक को और पुष्ट कर लिया। तब प्रफुल्ल को गिरफ्तार करने के लिए उसने पुलिस को गुप्त संदेह भेज अगले स्टेशन पर ट्रेन की घेराबंदी करने को कहा। प्रफुल्ल भी सतर्क थे। नंदलाल बनर्जी के व्यवहार पर उनको संदेह हुआ और किसी भी घटना के प्रत्युत्तर लिए वह सावधान होकर बैठ गये। मोकामा घाट स्टेशन पर ट्रेन पहुंची तो भारी पुलिस बल को ट्रेन की ओर आते देखकर प्रफुल्ल बोगी से कूदे और एक ओर भागने लगे। इसके बाद जो कुछ हुआ उसे आप लेख के आरंभ में पढ़ चुके हैं। उधर 2 मई, 1908 को खुदीराम बोस भी गिरफ्तार कर लिए गये। और उनको 11 अगस्त, 1908 के दिन फांसी दे दी गयी। उनकी शवयात्रा में अठारह हजार आदमी शामिल हुए। इधर क्रांतिकारी दल दो साथियों के पकड़े जाने एवं मृत्यु से दुखी थे और बदला लेने की ताक में थे। एक दिन अवसर देखकर दो क्रांतिकारियों ने सब इंस्पेक्टर नंदलाल बनर्जी को मौत के घाट उतार प्रफुल्ल चाकी की मौत का बदला ले लिया। प्रफुल्ल चाकी ने केवल 20 वर्ष की अवस्था में भारत माता की मुक्ति हेतु स्वतंत्रता संघर्ष के राष्ट्रीय अनुष्ठान में अपने प्राण आहुति की समिधा बना समर्पित कर दिये। धन्य है वह माता और वह मातृभूमि जिसकी पावन गोद में प्रफुल्ल चाकी जैसे अप्रतिम वीर ने शिशु क्रीड़ा की है। हालांकि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद प्रफुल्ल चाकी के योगदान को भुला दिया गया पर उनकी वीरता और भारत माता के प्रति उत्कट भक्ति की ज्योति हम भारतीयों के हृदयों में सदैव प्रज्वलित रह हमें प्रेरित करती रहेगी।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

प्रमोद दीक्षित मलय
बांदा,उत्तरप्रदेश

रक्षाबंधन का त्यौहार

रिमझिम सावन की है फुहार ,
रक्षाबंधन की है पावन त्यौहार ।
सज-धज कर अब भाई बैठे है तैयार ,
बहना बंधेंगे राखी और मिलेंगे उपहार ।।
प्रेम -प्यार स्नेह संग खुशियां मिले अपार,
रक्षाबंधन अटूट विश्वास आशीष और दुलार।।
कच्चे धागे बांध प्रीत की है संचार ,
पावन सा है राखी का त्यौहार ।।
जिनकी नही है बहना वो दुखी है अपार,
सावन की झड़ी और भाई- बहन का प्यार
राधा की उम्मीद और कान्हा का प्यार ,
मुबारक हो आप सभी को रक्षाबंधन का त्यौहार

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

डोमेन्द्र नेताम (डोमू)
मुण्डाटोला डौण्डी
लोहारा
-बालोद
छत्तीसगढ़

आफत में आ जाती है जान

बादलों को भी
आजकल हो गया है गुमान
बस्तियां उजाड़ डाली
बेघर हो गया इंसान
मंडरा रहे हैं आसमान में
तांकते इधर उधर
धरती पर उतर आए हैं
छोड़ रखा है आसमान
थोड़ा सा भी घूमते दिखते हैं
जब ऊपर आसमान
थर थर कांपता है कलेजा
आफत में आ जाती है जान
पूरा गांव रहता था
अपने परिजनों के साथ जहां
सन्नाटा पसरा है वहां
हो गया सब वीरान
कितनी विचित्र बात है
मेघ झमाझम बरस रहे
फिर भी लोग पीने के
पानी को तरस रहे
खड्डु चो नाले नदियों में
पानी की देखो रफ्तार
अमीर तो सुख से जी रहा
गरीबों के घर टपक रहे
सुन लो अब हमारी पुकार
बन्द करों बरसाना पानी
इस पानी के कारण ही
मुश्किल हो गई ज़िंदगानी
जिधर भी देखो चारों ओर
है पानी ही पानी
छत नहीं रहा सिर पर
बाहर पड़ रही रातें बितानी
सावन की घटाओं से
मिलता था बहुत सकूँ
बरसना बन्द कर किसी की
जान के पीछे क्यों पड़ा है
हसीना की जुल्फों से
होती थी तेरी तुलना
आज क्यों सभी को
सताने पर अड़ा है

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

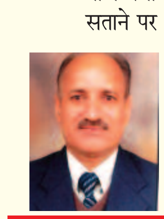

रवींद्र कुमार शर्मा
घुमारवीं
बिलासपुर
हिमाचलप्रदेश

अघोरी हूं

हार है न जीत है
मौत है न कोई ख़ौफ़ है
अघोरी हूं.....
ह्रास है न प्रहास है
ख़ास है न कोई आम है
अघोरी हूं......
काम है न आराम है
मान है न कोई अपमान है
अघोरी हूं......
जीवन है न मृत्यु है
पाप है न कोई पुण्य है
अघोरी हूं......
आदि है न अंत है
अंत है न कोई आदि है
अघोरी हूं......

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

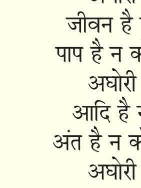

राजीव डोगरा
जनयानकड़
कांगड़ा
हिमाचल प्रदेश

तोर सुरता म

तोर नाव के चिंन्हा
मैय पहिरे हव हाथ म
मया देवत अउ मया लेवत
रहिबो संगे संग साथ म
कोइली कस मीठ मीठ बोली
सुग्हर लगथे तोर बात म
रद्दा निहारत अगोरा करहूं
घर के मुहाटी आट म
तोर सुरता म नींद नि आवय
सुते दसना अउ खाट म
अंधियारी रतिहा रात जगाथे
जागत रहिथव मैय रात म!!

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

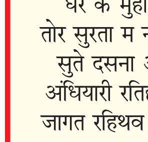

सोनु नेताम माया
नवागांव धमतरी
छत्तीसगढ़

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

CMYK

कंपनी के रुपए गबन कर चोरी का षडयंत्र रचने वाले दो कर्मचारी हुए गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,25 अगस्त 2023
(घटती-घटना)।

तीन दिन पूर्व शैडोफैक्स डिलवरी सेंटर के क्षेत्रीय प्रबंधक ने ऑफिस से 4 लाख 52 हजार रुपए चोरी होने की रिपोर्ट गांधीनगर थाना में दर्ज कराया था। इस मामले में पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ अपराध दर्ज कर विवेचना कर रही थी। पुलिस ने संदेह के आधार पर दो ऑफिस के दो कर्मचारियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो दोनों कर्मचारियों ने 3 लाख 21 हजार रुपए कैश ऑन डिलीवरी से प्राप्त ऑफिस के रुपयों को निजी कार्य में खर्च करने व 1 लाख 31 हजार रुपए कंपनी के ऑफिस से चोरी करने की बात स्वीकार की। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

जानकारी के अनुसार गांधीनगर थाना क्षेत्र के पटेलपारा में स्तिथ शैडोफैक्स डिलवरी सेंटर का ऑफिस है। कंपनी के क्षेत्रीय प्रबंधक बिलासपुर निवासी प्रदेन्द्र सिंह ने 23 अगस्त को गांधीनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराया था कि 21 अगस्त की रात को डिलवरी सेंटर के कैश काउंटर से 4 लाख 52 हजार रुपए अज्ञात द्वारा चोरी कर लिया गया है। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ धारा 457, 380 के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी थी। विवेचना के दौरान पुलिस ने ऑफिस में कार्यरत दो कर्मचारियों को हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ की तो दोनों कर्मचारियों ने ऑफिस से मात्र 1 लाख 31 हजार रुपाए चोरी करने व 3 लाख 21 हजार रुपए ऑफिस का पैसा निजी कार्य में खर्च करने की बात स्वीकार की। दोनों आरोपियों ने रुपए गबन करने के नियत से षडयंत्र पूर्वक चोरी की घटना क्षेत्रीय प्रबंधक को बताया था। पुलिस ने आरोपी रोहित कहार पिता पुरन लाल कहार उम्र 21 वर्ष व आकाश सोनी पिता राकेश सोनी उम्र 21 वर्ष दोनों निवासी बरगवा थाना बुढ़ार शहडोल मध्यप्रदेश हाल मुकाम चोपड़ापारा गांधीनगर को गिरफ्तार किया। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी की 1 लाख 31 हजार रुपए नकद व घटना में प्रयुक्त बाइक जब्त किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ धारा 457, 380 के अलावा 120(बी), 408 व 201 के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी गांधीनगर निरीक्षक जॉन प्रदीप लकड़ा, सहायक उप निरीक्षक अलंगो दास, विनय सिंह, आरक्षक उमाशंकर साहू, अरविन्द उपाध्याय, देवेन्द्र पाठक, अमरेश सिंह, ऋषभ सिंह, अनिल सिंह शामिल रहे।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नई कार्यकारिणी में नियुक्त सरगुजा के कांग्रेस कार्यकर्ताओं का सम्मान

- संवाददाता -
अंबिकापुर,25 अगस्त 2023
(घटती-घटना)।

सरगुजा जिला कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन में शुक्रवार को प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नई कार्यकारिणी में नियुक्त सरगुजा के कांग्रेस कार्यकर्ताओं का सम्मान किया गया। नवनियुक्त प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने प्रदेश महासचिव और सचिवों की सूचि जारी की है। इस सूचि अनुसार सरगुजा जिले के वरिष्ठ कांग्रेस नेता द्वितेंद्र मिश्रा प्रदेश कार्यकारिणी में पुनः महासचिव बने हैं। पूर्व अध्यक्ष मोहन मरकाम के प्रदेश कार्यकारिणी में भी द्वितेंद्र मिश्रा महासचिव के पद पर थे। पूर्व पार्षद एवं वरिष्ठ महिला कांग्रेस कार्यकर्ता सावित्री सारथी को प्रदेश कार्यकारिणी में सचिव पद पर नियुक्ति हुई है। निगम की वर्तमान पार्षद गीता प्रजापति को भी प्रदेश कार्यकारिणी में सचिव बनाया गया है। सरगुजा जिले के 2 युवा कार्यकर्ताओं को भी दीपक बैज की प्रदेश कार्यकारिणी में स्थान मिला है। प्रोफेशनल कांग्रेस के अध्यक्ष रणविजय सिंहदेव एवं पूर्व युवक कांग्रेस अध्यक्ष एवं वर्तमान में जिला कांग्रेस के संयुक्त महामंत्री को भी पीसीसी में सचिव पद प्राप्त हुआ। प्रदेश कार्यकारिणी के लिए चयनित पदाधिकारियों का आज राजीव भवन में सम्मान हुआ। पीसीसी उपाध्यक्ष जेपी श्रीवास्तव, जिला अध्यक्ष राकेश गुप्ता, महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष सीमा सोनी और दरिमा ब्लॉक अध्यक्ष वायु सिंह के द्वारा नवनियुक्त पदाधिकारियों को शाल और श्रीफल देकर उनका सम्मान किया गया। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने इस नियुक्ति के लिए उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव का आभार व्यक्त किया, साथ ही नई जवाबदेही के लिये प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज को धन्यवाद ज्ञापित किया। आज के इस सम्मान समारोह में हेमंत सिन्हा, मो. इस्लाम, अरविंद सिंह, हेमंत तिवारी, मधु दीक्षित, मालती सिंह, सत्येंद्र तिवारी, सैयद अख्तर हुसैन, दुर्गेश गुप्ता, मदन जायसवाल, अतुल शर्मा, हरपाल भामरा, सुधांशु गुप्ता, विजय सिंह, अशफाक अलि,अनूप मेहता, गुरप्रीत सिद्धु, नरेंद्र विश्वकर्मा, अविनाश कुमार, पंकज शुक्ला, शुभम जायसवाल, ओनिमेश सिन्हा, दिनेश शर्मा,मो इमरान, विनय गुप्ता, राजन सिंह, गीता रजक, शकीला, निशा विश्वकर्मा, कुसुम मिंज, हीरो बड़ा आदि उपस्थित थे।

चोरी की बाइक के साथ एक आरोपी हुआ गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,25 अगस्त 2023
(घटती-घटना)।

चोरी की बाइक के साथ गांधीनगर पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। जानकारी के अनुसार आशुतोष कुजूर गांधीनगर थाना क्षेत्र के गंगापुर का रहने वाला है। 23 अगस्त को वह अपनी बाइक को घर के पास खड़ा कर किसी काम से घर के अंदर गया था। तभी अज्ञात व्यक्ति द्वारा उसकी बाइक चोरी कर ली गई थी। आशुतोष ने बाइक चोरी की रिपोर्ट गांधीनगर थाने में दर्ज कराया था। रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही थी। विवेचना के दौरान पुलिस ने एक संदेही को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो वह बाइक चोरी करने की बात स्वीकार ली। पुलिस ने आरोपी परमेश्वर लकड़ा पिता अमृत लकड़ा उम्र 26 वर्ष निवासी ठाकुरपुर थाना गांधीनगर को गिरफ्तार किया। पुलिस ने इसके कब्जे से चोरी की बाइक बरामद कर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

कार्रवाई में थाना प्रभारी गांधीनगर निरीक्षक जॉन प्रदीप लकड़ा, सहायक उप निरीक्षक अनिल पाण्डेय, प्रधान आरक्षक मालती तिवारी, आरक्षक उमाशंकर साहू, आरक्षक मान सिंह शामिल रहे।

हाथी ने महिला को सूंड़ से उठाकर पटका, अस्पताल पहुंचने से पहले हो गई मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर,25 अगस्त 2023
(घटती-घटना)।

अंबिकापुर शहर से लगे कंचनपुर क्षेत्र में एक हाथी ने 60 वर्षीय महिला को सूंड़ से उठाकर पटक दिया। इससे महिला की मौत हो गई। महिला 23 अगस्त की सुबह बहन के बेटी के घर घंघरी जाने निकली थी। 25 अगस्त की सुबह कंचनपुर बस्ती में बांध किनारे महिला को अचत वस्था में वन विभाग के सिपाहियों ने देखा और उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाए।

जानकारी के अनुसार लोली टेकाम पति पंचू राम उम्र 60 वर्ष राजपुर थाना क्षेत्र के ग्राम कुंदीकला की रहने वाली थी। वह 23 अगस्त की सुबह अपने घर से बेहन के बेटी के घर घंघरी जाने निकली थी। रिश्तेदार के घर गई होगी इस लिए परिजन उसकी तलाश नहीं कर रहे थे। इधर कंचनपुर क्षेत्र में एक हाथी के विरण करने की जानकारी मिलने पर वन विभाग के सिपाही सर्चिंग कर रहे थे। 25 अगस्त की सुबह कंचनपुर बस्ती से लगे बांध किनारे एक महिला को अचेत अवस्था में वन विभाग के सिपहियों ने देखा। हाथी सुंड़ से उठाकर पटक दिया था इस लिए महिला गंभीर रूप से जख्मी हो गई थी। आस पास के ग्रामीणों ने उसकी पतचान कुंदीकला निवासी के रूप में की। वन विभाग के सिपाहियों ने मामले की जानकारी उसके परिजन को दी और महिला को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया। यहां जांच के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

हाथी के हमले में महिला की मौत हो जाने पर वन विभाग की टीम ने अस्पताल में ही मृतका के परिजन को 25 हजार रुपए की तत्कालिक सहायता राशि दी। इसके बाद आके वन विभाग द्वारा मुआवजा राशि तैयार कर दिया जाएगा। वन विभाग का कहना है कि कंचनपुर क्षेत्र में एक हाथी विचरण कर रहा है जो अभी अखोरा जंगल में डटा है। वन विभाग द्वारा उसे खदेडने की कोशिया की जा रही है।

कैंसर रोग के प्रति जनजागरूकता के लिए शहरी स्वास्थ्य केंद्र नवापारा में आयोजित किया गया विशेष शिविर

60 लोगों ने कराई कैंसर की निःशुल्क जांच

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,25 अगस्त 2023
(घटती-घटना)।

कैंसर रोग के प्रति जनजागरूकता के प्रसार के लिए उपमुख्यमंत्री श्री टीएस सिंहदेव की पहल पर यूसीएचसी नवापारा में विशेष शिविर का आयोजन किया गया। एक सहयोगात्मक प्रयास में, नवापारा के शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में शुक्रवार को कैंसर जागरूकता शिविर की मेजबानी के लिए रायपुर के बाल्को मेडिकल सेंटर के साथ साझेदारी की गयी। शहरी स्वास्थ्य केंद्र परिसर में आयोजित इस शिविर में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

स्वास्थ्य विभाग से प्राप्त जानकारी अनुसार बाल्को मेडिकल सेंटर द्वारा मोबाइल कैंसर परीक्षण वैन भी लाया गया था, जिसमे पैप स्मियर और मैमोग्राफी जैसी सुविधाएं भी थी। कैंसर को जानें, कैंसर से लड़ें÷ बैनर के तहत आयोजित कैंसर जागरूकता शिविर का उद्देश्य नगर के लोगों को कैंसर की रोकथाम, शीघ्र पता लगाने और उपलब्ध उपचार विकल्पों के बारे में शिक्षित करना है।

इस कार्यक्रम में बाल्को मेडिकल सेंटर के चिकित्सा विशेषज्ञों द्वारा जानकारीपूर्ण सत्रों की एक श्रृंखला प्रस्तुत की गई। विषयों में कैंसर के सामान्य जोखिम कारक, नियमित जांच का महत्व और कैंसर की रोकथाम में स्वस्थ जीवन शैली की भूमिका शामिल थी। उपस्थित लोगों को निःशुल्क सूचनात्मक पुस्तिकाएं और संसाधन भी प्रदान किए गए।

शिविर में निःशुल्क कैंसर जांच का प्रावधान रखा गया। स्थानीय निवासियों को स्तन, गर्भाशय, ग्रीवा और मौखिक कैंसर सहित विभिन्न प्रकार के कैंसर की जांच कराने का अवसर मिला। शीघ्र पता लगाने के इस सक्रिय दृष्टिकोण ने महत्वपूर्ण भागीदारी हासिल की और इसे क्षेत्र में कैंसर से संबंधित मृत्यु दर को कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में सराहा गया।

नवापारा निवासी और उपस्थित लोगों में से श्रीमती सुनीता वर्मा ने इस कार्यक्रम के लिए अपना आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मैंने आज बहुत कुछ सीखा है कि खुद को और अपने परिवार को कैंसर से कैसे बचाया जाए। तथ्य यह है कि हमें मुफ्त जांच मिल सकती है। यहां कुल 60 लोगों ने कैंसर की जांच कराई। महिलाओं में 4 की मैमोग्राफ की गई और और 8 महिलाओं का पैप स्मीयर जांच किया गया।

नवापारा के यूपीएचसी और बाल्को मेडिकल सेंटर के बीच संयुक्त प्रयास कैंसर के खिलाफ लड़ाई में सामुदायिक सहयोग किया जा रहा है। इस दौरान पसर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. अजीत अग्रवाल ने शहरी स्वास्थ्य केंद्र के सक्रिय दृष्टिकोण की सराहना की और नियमित जांच के महत्व पर जोर दिया। डॉ. अग्रवाल ने कहा, ÷नवापारा ने कैंसर के बोझ को दूर करने में बड़ी पहल दिखाई है।शुरुआती पता लगाना महत्वपूर्ण है, और इस तरह की घटनाओं से जान बचाई जा सकती है।÷ कार्यक्रम में सीएमएचओ डा आर एन गुप्ता, सिविल सर्जन डा रेलवानी, डीपीएम डा पुष्पेंद्र, सीपीएम डा अमीन फिरदौसी, डा आयुष जयसवाल, डा हिमांशु जयसवाल, और समस्त स्टाफ उपस्थित थे।

लड़े हैं...जीते हैं...कार्यक्रम के तहत कोरोना वारियर्स का सम्मान आज

- संवाददाता -
अंबिकापुर,25 अगस्त 2023
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव की पहल पर सरगुजा के कोरोना योद्धाओं को सम्मानित किया जा रहा है। शनिवार को अंबिकापुर में 'लड़े हैं जीते हैं' कार्यक्रम के अंतर्गत उन्हें सम्मानित किया जाएगा। इस सम्मान समारोह में कोविड-19 के विषम काल में योगदान देने वाले सरगुजा के चिकित्सा विभाग, पुलिस विभाग, नागरिक समाज, नगर निगम और अन्य विभागों के सभी कर्मचारियों को सम्मानित किया जाएगा। साथ मीडिया कर्मी, पंचायत, राजस्व, शिक्षा, महिला बाल विकास विभाग के साथी और मितानिनों को भी सम्मानित किया जाएगा। यह कार्यक्रम भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी की तरफ आयोजित है, जो सुबह 11 बजे से अंबिकापुर के पीजी कॉलेज के ऑडिटोरियम में होगा।

शासकीय बहुउद्देशीय एवं कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में किया गया विधिक जागरुकता शिविर का आयोजन

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,25 अगस्त 2023
(घटती-घटना)।

न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी कुमारी रश्मि मिश्रा, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी जेनिफर लकड़ा एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वितीय श्रेणी कृति कुजुर के द्वारा शासकीय बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अम्बिकापुर में विधिक साक्षरता एवं जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया।

इस जागरूकता शिविर अंतर्गत शासकीय बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में उपस्थित छात्र-छात्राओं को उनके अधिकारों के बारे में बताया गया। बच्चों के साथ उन अधिकारों की चर्चा की गई, जो बच्चों को सुरक्षित और स्वस्थ जीवन जीने के लिए चाहिए, जैसे कि शिक्षा, खान-पान, स्वास्थ्य देखभाल, खेलने का अधिकार आदि। शिविर के अंत में एक साक्षात्कार सत्र आयोजित किया गया जिसमें बच्चे अपनी जानकारी और समझ साझा कर सकते थे। इससे उनके मन में जो प्रश्न उत्तेजित हुए उनका जवाब दिया गया जो उन्हें अधिक जागरूक बनाए। शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में उपस्थित छात्राओं को यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण करने संबंधी अधिनियम पॉक्सो के अंर्तगत होने वाले अपराध के बारे में विधिक जानकारी दी गई इस अधिनियम के अंर्तगत कड़ी सजा का प्रावधान भी है। उन्हें यह भी बताया गया कि यदि उनके साथ इस प्रकार की कोई घटना होती है, तो वे इसकी जानकारी सबसे पहले अपने परिजनों को दें और घटना की रिपोर्ट संबंधित थाना में करें।

12 हाथियों का दल पहुंचने से ग्रामीणों में दहशत, एक दर्जन से अधिक किसानों का धान फसल चौपट

- संवाददाता -
लखनपुर,25 अगस्त 2023
(घटती-घटना)।

सरगुजा जिले के लखनपुर वन परीक्षेत्र अंतर्गत वनांचल क्षेत्र के ग्राम पटकुरा अलग अलग बस्ती में हाथियों के दल पहुंचने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना हुआ है। गाव के एक दर्जन से अधिक किसानों के धान के फसल को नुकसान हुआ है। 12 हाथियों का दल लखनपुर व मैनपाठ वन परीक्षेत्र के बीच जंगल में विचरण कर रहा है। रात होते ही हाथियों का दल हाथियों का पटकुरा के अलग-अलग बस्तियां में पहुंच धान फसल को नुकसान पहुंचा रहे हैं तो वहीं हाथियों के दल पहुंचने से ग्रामीण रतजगा करने को मजबूर हैं। किसी तरह ग्रामीणों के द्वारा हाथियों के दल को खदेड़ा जा रहा है। 12 हाथियों का दल ग्राम पटकुरा के घटोन, कुकुर टांगा, पटकुरा खास, सुजिआमा, दसाई खेत सहित अन्य स्थानों में पहुंचकर किसान हुकुम साय राजवाड़े, पालटू मझवार, खुखुसाय रजवार ,ननका यादव, सतीश तिग्गा ,नोहर मझवार रंगू मझवार सहित अन्य किसानों के धान फसल को नुकसान पहुंचाया है।वही जान माल की सुरक्षा को लेकर ग्रामीणों के द्वारा किसी तरह हाथियों के दल को खदेड़ने का कार्य किया जा रहा है। दिनभर हाथियों का दल रगदा जंगल में विचरण करता है।

दल से बिछडा एक हाथी ग्रामीणों को दौड़ाया भागकर बचाई जान

हाथियों के दल से बिछड़ कर एक हाथी बस्ती की ओर आ गया। राम लाल अपने 2 अन्य साथियों के साथ ग्राम पटकुरा से घटोन जा रहे थे। बीच रास्ते में हाथी ने ग्रामीणों को दौड़ाया किसी तरह ग्रामीणों ने भाग कर अपनी जान बचाई।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रामचंद्र यादव को मिली प्रदेश सचिव की जिम्मेदारी

- संवाददाता -
सूरजपुर,25 अगस्त 2023
(घटती-घटना)।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी राष्ट्रीय सचिव व प्रभारी केसी वेणु गोपाल ने छत्तीसगढ़ कांग्रेस महासचिव व सचिवों की सूची घोषित कर दी है। जारी सूची में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रामचंद्र यादव को प्रदेश कांग्रेस कमेटी का प्रदेश सचिव का दायित्व सौंपा है रामचंद्र यादव इससे पहले सेवा दल कांग्रेस, इंटक कांग्रेस ब्लॉक कांग्रेस कमेटी जिला कांग्रेस कमेटी, का प्रतिनिधित्व करते हुए और सूरजपुर सेवादल कांग्रेस का ब्लाक अध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन कर चुके हैं रामचंद्र यादव ने कहा कि कांग्रेस संगठन के ने मुझे पर जो भरोसा किया है उस पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करूंगा और संगठन के लिए सदा समर्पित रहूंगा व रामचंद्र यादव की प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश सचिव बनने से कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर।

विक्रमसिंघे ने किया पूर्वी प्रांत को बहुआयामी केंद्र में बदलने का वादा, भारत की मदद पर कही यह बात

कोलंबो,25 अगस्त 2023। श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने तमिल बहुत पूर्वी प्रांत (विशेष रूप से त्रिंकोमाली जिला) को एक बहुआयामी केंद्र में बदलने का वादा किया है। इसके लिए उन्होंने भारत की ओर से दी जा रही मदद का भी जिक्र किया है। प्रांत के भीतर विकासात्मक पहलों पर गुरुवार को एक विशेष समिति की बैठक आयोजित की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए विक्रमसिंघे ने पूर्वी विकास परियोजना में तेजी लाने पर जोर दिया और द्वीप राष्ट्र की नकदी की कमी वाली अर्थव्यवस्था के लिए एक अनुकूल माहौल को बढ़ावा देने को कहा। यहां राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि राष्ट्रपति विक्रमसिंघे ने इस परियोजना में भारत की मदद लेने की जरूरत पर जोर दिया और इसके रणनीतिक महत्व को रेखांकित किया।

उन्होंने त्रिंकोमाली के ऊर्जा, परिवहन, समुद्री वाणिज्य, नौसेना संचालन, विमानन, उद्योग और पर्यटन को शामिल करते हुए एक बहुआयामी केंद्र के लिए व्यापक दृष्टिकोण को रेखांकित किया। वित्त मंत्री विक्रमसिंघे ने इसमें भारत की सहयोगी भूमिका पर जोर दिया।

राष्ट्रपति ने कहा, %वर्तमान में गुरबाना जुरोंग (सिंगापुर की प्रमुख बुनियादी ढांचा परामर्श कंपनी) द्वारा तैयार की गई एक व्यापक योजना त्रिंकोमाली जिले के विकास से संबंधित है, जिसे श्रीलंका और भारत के बीच एक स्थापित समझौते का समर्थन प्राप्त है। उन्होंने कहा,यह जरूरी है कि इस समझौते को लागू किया जाए।

विकास कार्यनीति में एक सावधानीपूर्वक तैयार किया गया कार्यक्रम शामिल है, जिसका उद्देश्य वेरुगलारू से पनामा तक फैले कुमाना तटीय क्षेत्र का विस्तार करना है। इस विस्तार को पर्यटन क्षेत्र की उन्नति के लिए उपयोग किए जाने की कल्पना की गई है। इसके साथ ही, इस क्षेत्र के भीतर आधुनिक कृषि स्थापित करने के लिए एक खाका तैयार किया गया है, और इस मॉडल को पूर्वी प्रांत के भीतर अन्य क्षेत्रों में विस्तारित करने का इरादा है। मछली पकड़ने, कृषि और पर्यटन क्षेत्रों में विकास के साथ ही इस रणनीतिक शहर त्रिंकोमाली को एक प्रमुख वाणिज्यिक केंद्र में उन्नत करना है।

विक्रमसिंघे का यह बयान तब सामने आया है जब कुछ दिन पहले भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अक्षय उर्जा और त्रिंकोमाली हब सहित क्षेत्रीय आर्थिक गतिविधियों की संभावनाओं को रेखांकित किया गया है। द्विपक्षीय संबंधों पर भारत-श्रीलंका संसदीय मैत्री संघ के सदस्यों को एक वीडियो संदेश के माध्यम से अपडेट करते हुए जयशंकर ने द्वीप राष्ट्र की बहु-जातीय, बहु-भाषी और बहु-धार्मिक पहचान के संरक्षण के लिए नई दिल्ली के समर्थन को दोहराया था।

भारतीय उच्चायोग के एक आधिकारिक बयान के अनुसार, जयशंकर ने दोनों देशों के बीच भौगोलिक निकटता और साझा लोकतांत्रिक मूल्यों के आधार पर श्रीलंका के विकास, स्थिरता और समृद्धि में भारत के सकारात्मक योगदान पर भी प्रकाश डाला।

चीन के कई हिस्सों में भारी बारिश के आसार,ब्लू अलर्ट जारी

बीजिंग,25 अगस्त 2023। चीन के राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने शुक्रवार को देश के कई क्षेत्रों में भारी बारिश और तूफान की आशंका के मद्देनजर ब्लू अलर्ट जारी किया। राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने आज दोपहर दो बजे से अगले 24 घंटों (शनिवार दो बजे) के बीच सिचुआन, चोंगकिंग, शानक्सी, हुबेई, हेनान, शांक्सी, इनर मंगोलिया, हेबेई, गांसु, किंघई और तिब्बत के क्षेत्रों में भारी बारिश और तूफान आने का अनुमान है।

मौसम केंद्र ने कहा कि देश के कुछ हिस्सों में भारी वर्षा होने के आसार हैं। इस दौरान अधिकतम प्रति घंटा 60 मिलीमीटर से अधिक बारिश हो सकती है, साथ ही आंधी और तूफान आने का अनुमान जताया गया है।

मौसम केन्द्र ने स्थानीय सरकारों और निवासियों को उचित सावधानी बरतने की सलाह दी है। स्कूलों और किंडरगार्टन को बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है, जबकि संभावित सड़क जलभराव और ट्रैफिक जाम के कारण वाहन चालकों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। चीन में चार स्तरीय मौसम चेतावनी प्रणाली है, जिसमें लाल रंग सबसे गंभीर चेतावनी को दर्शाता है, उसके बाद नारंगी, पीला और नीला होता है।

19 साल के किशोर पर सोशल मीडिया का खुमार डॉल्फिन पर पड़ा भारी,पानी से बाहर निकालकर खींची तस्वीर; हुई मौत

वाशिंगटन,25 अगस्त 2023। आजकल युवाओं पर सोशल मीडिया का खूब खूमार छाया हुआ है। दिखावे की होड़ में यह लोग अच्छा-बुरा कुछ नहीं देखते हैं। आए दिन लोग फोटो खींचवाने या रील्स बनाने के लिए अपनी या किसी और की जान को जोखिम में डाल देते हैं। हद तो तब पार हो गई, जब जानवरों को तक नहीं छोड़ा जा रहा। दरअसल, अमेरिका के 19 साल के एक लड़के ने फोटो खिचवाने के लिए एक डॉल्फिन को पानी से बाहर निकाल लिया। पानी से बाहर आने के कुछ ही देर बाद उसकी मौत हो गई। इसके बाद से ही अज्ञात शख्स की काफी आलोचना की जा रही है।

काश पढ़ा दी जाती कविता

बचपन से हर बच्चे को एक कविता पढ़ाई जाती रही है कि 'मछली जल की रानी हैज', शायद यह कविता एक 19 साल के किशोर को नहीं पढ़ाई गई या उसे समझ नहीं आई। लड़के ने डॉल्फिन के साथ एक तस्वीर खिचाई, जिसके बाद उसकी थोड़ी देर बाद मौत हो गई। यह मामला उस समय सामने आया जब लड़के ने इंस्टाग्राम पर फ्लोरिडा के उत्तर-पूर्वी तट पर स्थित अमेलिया द्वीप पर डॉल्फिन के साथ एक मुस्कराती हुई

तस्वीर पोस्ट की। बाद में, वन्य अधिकारियों को बुधवार को उसी क्षेत्र में एक डॉल्फिन मरी हुई मिली। इसके बाद सोशल मीडिया पर जांच की मांग उठने लगी।

बुरी हालत में मिली डॉल्फिन

सोशल मीडिया पर लगातार आलोचनाओं ने फ्लोरिडा मछली और वन्यजीव संरक्षण समिति (एफडब्ल्यूसी) और राष्टीय समुद्री और वायुमंडलीय प्रशासन को जांच के लिए प्रेरित किया। एफडब्ल्यूसी ने कहा कि इस मामले में एक तस्वीर मिली है, जिसमें डॉल्फिन का पेट फूला और मुंह से खून बहता दिख रहा है। यूएनएफ में तटीय और समुद्री जीव विज्ञान के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. क्विंसी गिब्सन का कहना है कि मछली की यह स्थिति अपघटन प्रक्रिया का हिस्सा है।

रिपोर्ट में यह कहा

डॉ. गिब्सन ने कहा कि प्रारंभिक जांच से यही लग रहा है कि किशोर ने जब फोटो ली, तब डॉल्फिन जिंदा थी। बाद में, उसकी मौत हो गई। उन्होंने कहा कि इसकी संभावना बहुत कम है कि डॉल्फिन पानी से बाहर आते ही मर गई हो। उन्होंने कहा कि अभी तक जो रिपोर्ट, फोटो और इन लोगों के व्यवहार को देखा है, उससे यही लग रहा है कि डॉल्फिन को इन लोगों ने कसकर पकड़कर रखा था, जबकि वह उस समय जिंदा थी।

किशोर का दावा

इस बीच, किशोर ने अपने कृत्य का बचाव करते हुए दावा किया है कि यह एक दुर्घटना थी। उसका कहना है कि वह हमेशा से मछ्ली पकड़ना चाहता था। डॉल्फिन को मारने का कोई इरादा नहीं था। उसका कहना है कि यह भूलवश हुआ है। हालांकि, डॉल्फिन को छेड़ना एक अपराध है। किशोर पर अपराध का आरोप नहीं लगाया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, किशोर पर अगर मुकदमा चलाया गया, तो उसे लगभग 34,000 डॉलर का जुर्माना भरना पड़ेगा। साथ ही एक साल जेल की सजा हो सकती है।

गुस्से में लोग

सोशल मीडिया पर घटना को लेकर लगातार लोग अपना गुस्सा दिखा रहे है। हर कोई सख्ती से जांच करने और अपराधी को सजा देने की मांग कर रहा है। वहीं, एक सर्फर ब्यूग्रैंड ने कहा कि घटना सामने आने पर मैं क्रोध से भर गया। यह प्रकृति के खिलाफ अपराध है।

इमरान को नहीं मिली राहत,पाकिस्तानी अदालत में दोषसिद्धि के खिलाफ याचिका पर सुनवाई फिर स्थगित

इस्लामाबाद,25 अगस्त 2023। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) ने शुक्रवार को तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले में एक सत्र अदालत द्वारा सुनाई गई सजा और अपनी दोषसिद्धि और सजा को चुनौती देने वाली पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की याचिका पर सुनवाई 28 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दी। इमरान खान फिलहाल जेल में बंद हैं। आईएचसी ने शुक्रवार को कहा कि तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले में इमरान खान को दोषी ठहराने वाली ट्रायल कोर्ट ने गलत किया।

उच्च न्यायालय 22 अगस्त से इमरान की याचिका पर सुनवाई कर रहा है। इससे पहले उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश आमेर फारूक और न्यायमूर्ति तारिक महमूद जहांगीरी की पीठ ने गुरुवार को एक दिन के लिए सुनवाई स्थगित कर दी थी। तब समझा जा रहा था कि अदालत शुक्रवार को फैसला सुना सकता है। वर्तमान में 70 वर्षीय खान अटक जेल में हैं, जहां उन्हें दोषी ठहराए जाने के बाद से रखा गया है। पूर्व प्रधानमंत्री को पांच वर्ष तक कोई सरकारी पद संभालने के लिए भी अयोग्य करार दिया गया है।

पांच अगस्त को इस्लामाबाद स्थित सत्र अदालत के न्यायाधीश हुमायूं दिलावर ने पाकिस्तान चुनाव

आयोग (ईसीपी) द्वारा दायर मामले में 70 वर्षीय खान को दोषी ठहराया और तीन साल जेल की सजा सुनाई थी। ईएचसी के मुख्य न्यायाधीश आमिर फारूक और न्यायमूर्ति तारिक महमूद जहांगीरी की खंडपीठ ने शुक्रवार की सुनवाई की अध्यक्षता की। सुनवाई के दौरान, ईसीपी के वकील एडवोकेट अमजद परवेज से अपनी दलीलें खत्म करने की उम्मीद थी। हालांकि, वह ÷बेहद अस्वस्थ÷ होने के कारण उपस्थित होने में विफल रहे, जैसा कि उनकी टीम के एक सदस्य ने कहा, जिसके बाद आईएचसी ने सुनवाई 28 अगस्त (सोमवार) तक के लिए स्थगित कर दी। बचाव दल ने पहले ही बहस पूरी कर ली है। सुनवाई के दौरान, खान के वकील लतीफ खोसा ने दोषसिद्धि के खिलाफ अपनी दलील पेश की और कहा कि फैसला जल्दबाजी में दिया गया था और इसमें खामियां हैं। उन्होंने अदालत से सजा को रद्द करने का आग्रह किया लेकिन बचाव दल ने अपनी दलीलें पूरी करने के लिए और समय की मांग की।

पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने भी गुरुवार को इस्लामाबाद उच्च न्यायालय का फैसला आने तक खान की याचिका पर सुनवाई को रोकने का फैसला किया था। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट के एक आदेश ने सबको हैरान कर दिया, जिसमें उसने पाकिस्तान के अटॉर्नी-जनरल (एजीपी) मंसूर उस्मान अवान को 28 अगस्त तक खान की रहने की स्थिति के बारे में एक आधिकारिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का आदेश दिया।

तोशखाना मामला 2022 में ईसीपी में सत्तारूढ़ पार्टी के सांसदों द्वारा दायर किया गया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि खान ने देश के उपहारों की बिक्री से प्राप्त आय को छुपाया था।

राष्ट्रपति चुनाव की डिबेट के बाद बढ़ी विवेक रामास्वामी की लोकप्रियता,जमकर बरसा चंदे का पैसा

वॉशिंगटन,25अगस्त 2023। हाल ही में अमेरिका के अगले राष्ट्रपति चुनाव में दावेदारी के लिए रिपब्लिकन पार्टी की पहली डिबेट हुई। इस डिबेट के बाद भारतीय मूल के विवेक रामास्वामी की लोकप्रियता में जबरदस्त उछाल आया है। रिपब्लिकन पार्टी की इस डिबेट में रामास्वामी छा गए और डिबेट के बाद उन्हें मिले चंदे में भी जबरदस्त उछाल आया है। बता दें कि विवेक रामास्वामी ने बुधवार को डिबेट के बाद करीब 4,50,000 डॉलर चंदे की उगाही की।

रामास्वामी की लोकप्रियता में आया उछाल

अमेरिकी मीडिया के अनुसार, पहली डिबेट में डोनाल्ड ट्रंप की गैरमौजूदगी में रामास्वामी मजबूती से उभरे। इस दौरान उन पर रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद के अन्य दावेदार क्रिस क्रिस्टीज, माइक पेंस और निक्की हेली ने जोरदार हमला बोला। हालांकि इसका रामास्वामी को फायदा मिलता दिख रहा है क्योंकि पहले पोल में 504 प्रतिभागियों में से 28 प्रतिशत ने रामास्वामी का समर्थन किया है। 27 प्रतिशत ने रोन देसांतिस और माइक पेंस को 13 प्रतिशत और निक्की हेली को सात प्रतिशत वोट मिले हैं।

डोनाल्ड ट्रंप के बाद सबसे अहम उम्मीदवार

अमेरिकी मीडिया के अनुसार, पहली डिबेट के बाद रिपब्लिकन उम्मीदवारों में रामास्वामी के बारे में गूगल पर सबसे ज्यादा सर्च किया गया। उनके बाद निक्की हेली के बारे में लोग जानना चाहते थे। हालांकि अभी भी रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से डोनाल्ड ट्रंप का ही दावा सबसे मजबूत है और वह अन्य प्रतिद्वंदियों से काफी आगे हैं। विवेक रामास्वामी ने दावा किया है कि आने वाले दिनों में रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति चुनाव की रेस में सिर्फ वह और डोनाल्ड ट्रंप ही रह जाएंगे।

अरबपति बिजनेसमैन हैं रामास्वामी

विवेक रामास्वामी रोइवेंट साइंसेज नामक बायोटेक कंपनी के संस्थापक हैं। भारतीय मूल के विवेक रामास्वामी की कुल संपत्ति 950 मिलियन यूएस डॉलर आंकी गई है। रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से डोनाल्ड ट्रंप के बाद वह दूसरे सबसे अमीर उम्मीदवार हैं।

जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए भारत नहीं आएंगे व्लादिमीर पुतिन,रूसी राष्ट्रपति के प्रवक्ता ने की पुष्टि

मॉस्को,25 अगस्त 2023। अगले माह में दिल्ली में होने जा रहे जी-20 शिखर सम्मेलन में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन शामिल नहीं होंगे। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि पुतिन भारत में सितंबर में होने वाले जी20 सम्मेलन के लिए यात्रा की योजना नहीं बना रहे हैं। उनका व्यस्त कार्यक्रम है। अभी उनका मुख्य फोकस यूक्रेन में एक %विशेष सैन्य अभियान% पर है। बता दें कि मॉस्को और कीव के बीच 24 फरवरी 2022 से भीषण युद्ध जारी है।

जी-20 विश्व नेताओं का शिखर सम्मेलन नौ और 10 सितंबर को नई दिल्ली में होना है। यह शिखर सम्मेलन भारत में विश्व नेताओं की सबसे बड़ी सभाओं में से एक होने की उम्मीद है। भारत ने एक दिसंबर, 2022 को इंडोनेशिया से जी-20 की अध्यक्षता ग्रहण की।

भारत ने सभी सदस्य देशों को भेजा था निमंत्रण

जी-20 शिखर सम्मेलन की तैयारियां खूब जोरों से चल रही हैं। सम्मेलन को लेकर भारत ने सभी जी20 सदस्य देशों, आमंत्रित देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के नेताओं को निमंत्रण भेजा था। हालांकि इस बात की पुष्टि नहीं हो पा रही थी कि पुतिन शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे या नहीं।

ब्रिक्स सम्मेलन में भी नहीं पहुंचे थे पुतिन

पुतिन इससे पहले दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में हो रहे ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भी नहीं पहुंचे। 15वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन को उन्होंने वर्चुअली संबोधित किया। अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) ने पुतिन को युद्ध अपराध, नरसंहार और यूक्रेन में बच्चों के जबरन स्थानांतरण का दोषी ठहराया है। माना जा रहा है कि इसीलिए पुतिन गिरफ्तारी से बचने के लिए ब्रिक्स के सम्मेलन में भौतिक रूप से नहीं पहुंचे। दक्षिण अफ्रीका आईसीसी का हस्ताक्षरकर्ता है और उम्मीद की जा रही थी कि अगर पुतिन देश में मौजूद होते तो वह उनकी गिरफ्तारी में मदद करते।

जी-20 की मेजबानी कर रहा भारत

भारत इस समय जी-20 की मेजबानी कर रहा है। यह समूह दुनिया की प्रमुख विकसित और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं का एक अंतर सरकारी मंच है। ये सदस्य वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 85 फीसदी, वैश्विक व्यापार का 75 फीसदी से अधिक और विश्व जनसंख्या का लगभग दो-तिहाई प्रतिनिधित्व करते हैं। समूह में अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, कोरिया गणराज्य, मैक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्की, यूके, अमेरिका और यूरोपीय संघ (ईयू) शामिल हैं।

रुढ़िवादी अमेरिकी लेखिका की हुई आलोचना,भारतीय-अमेरिकी हेली और रामास्वामी के खिलाफ की थी नस्लवादी टिप्पणी

वाशिंगटन,25 अगस्त 2023। प्रमुख अमेरिकी रूढ़िवादी मीडिया पंडित और लेखिका ऐन कूल्टर को दो भारतीय मूल की अमेरिकी निक्की हेली और विवेक रामास्वामी के खिलाफ नस्लवादी टिप्पणी करने और उन्हें ÷हिंदू पेशा÷ कहने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। निक्की हेली और विवेक रामास्वामी अमेरिकी राष्ट्रपति पद के दावेदार हैं। अमेरिकी मीडिया ने गुरुवार को बताया कि बुधवार रात पहली रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद की बहस के दौरान कोल्टर ने दक्षिण कैरोलिना की पूर्व गवर्नर निक्की हेली और बायोटेक उद्यमी विवेक रामास्वामी के बीच तीखी नोकझोंक को ÷हिंदुओं का पेशा÷ बताया।

61 वर्षीय कूल्टर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने ट्वीट में कहा, ऐसा लगता है कि निक्की और विवेक किसी हिंदू पेशे में शामिल हैं। यह हमारी लड़ाई नहीं है। इसके लिए गुरुवार को उन्हें उस समय आलोचना का सामना करना पड़ा, जब रामास्वामी की वरिष्ठ सलाहकार और संचार निदेशक, ट्रिसिया मैकलॉघलिन ने कहा कि कूल्टर जो चाहें ट्वीट कर सकती हैं।

मैकलॉघलिन ने अपने ट्वीट में कहा, ऐन जो चाहे ट्वीट कर सकती है। उन्होंने आगे कहा, विवेक उन्हीं यहूदी-ईसाई मूल्यों को साझा करते हैं और जीते हैं, जिन पर इस देश की स्थापना हुई थी और जिस तरह से विवेक अपना पारिवारिक जीवन जीते हैं, वह उनके अपने बच्चों और पोते-पोतियों के लिए एक सकारात्मक उदाहरण है। 38 वर्षीय रामास्वामी हिंदू हैं जबकि 51 वर्षीय हेली एक सिख परिवार में पैदा हुई और ईसाई हैं, जिसके बारे में वह अपने

सार्वजनिक जीवन में मुखर रही हैं।

मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि कूल्टर जिस गरमागरम बहस का जिक्र कर रही थी, वह धर्म के बारे में भी नहीं थी, बल्कि यूक्रेन और इस्राइल को अमेरिकी सहायता के बारे में थी। रूढ़िवादियों और उदारवादियों दोनों ने कूल्टर की टिप्पणी के लिए उनकी आलोचना की है। कूल्टर की नस्लवादी टिप्पणी का जवाब देते हुए एक ट्वीट में बिना सोचे समझे एक व्यक्ति ने कहा, निक्की हेली जन्म से ही सिख थीं और एक ईसाई हैं, आप नस्लवादी ट्रोग्लोडाइट हैं।

डेसिस डिवाइडेड द पॉलिटिकल लाइव्स ऑफ साउथ एशियन अमेरिकन्स की लेखक सांगय मिश्रा ने कहा, पूरी उम्मीद थी कि वह उन पर हमला करेंगी, लेकिन एक धर्म का हवाला देकर श्वेत नस्लवाद का इस्तेमाल करना घृणित है। इस चुनाव चक्र में यह पहली बार नहीं है कि कूल्टर हेली के बारे में नस्लवादी टिप्पणियों को लेकर चर्चा में रही हैं। इससे पहले फरवरी में कूल्टर ने एक पॉडकास्ट पर बड़े व्यंग्य के साथ हेली को अपने देश वापस जाने के लिए कहा था, जिसके बाद भी उनकी आलोचना की गई थी।

÷द मार्क सिमोन शो÷ पॉडकास्ट पर एक उपस्थिति के दौरान कूल्टर ने कहा था, गायों की पूजा करने से क्या हुआ? वे सभी वहां भूख से मर रहे हैं। क्या आप जानते हैं कि उनके पास एक चूहे का मंदिर है, जहां वे चूहों की पूजा करते हैं? कूल्टर ने हेली को ÷बिम्बो÷ और ÷बेतुका प्राणी÷ भी कहा है। मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि हेली ने टिप्पणी के अनुरोधों पर तत्काल कोई जवाब नहीं दिया।

CMYK

कांग्रेस विधायकों की स्वेक्षानुदान राशि वितरण की सूची लगातार आ रही सामने

कांग्रेस नेताओं को ही रेवड़ी की तरह बांटी जा रही स्वेक्षानुदान राशि

विधानसभा क्रमांक 1 के भी स्वेक्षानुदान राशि की सूची आई सामने,विधायक ने अपने प्रतिनिधियों व कांग्रेसी नेताओं का किया भला

ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष भरतपुर की धर्मपत्नी को भी मिली है डेढ़ लाख रुपए की स्वेक्षानुदान राशि

विधायक गुलाब कमरों के स्वेक्षानुदान पर भी भाजपा ने उठाया सवाल ?

विधायक नंबर एक और विधायक नंबर दो की सूची तो आ गई, विधायक नंबर तीन की सूची का है इंतजार

विधायक नंबर एक के प्रतिनिधि का स्वेक्षानुदान पर अधिकार तो कुछ प्रतिनिधि शासकीय जमीन पर जमा बैठे अधिकार

-रवि सिंह-
एमसीबी,25 अगस्त 2023
(घटती-घटना)।

कांग्रेस में यदि विधायकों की नजर में कांग्रेस के बड़े पदाधिकारी ही स्वेक्षानुदान के हकदार तो क्यों नहीं विधायक स्वेक्षानुदान की जगह कांग्रेस उत्थान रख दिया जा रहा है योजना का नाम। विधायक स्वेक्षानुदान जो विधायक का एक ऐसा अधिकार है जिसका वह उपयोग कर अपने विधानसभा के जरूरतमंद गरीब और बीमार व्यक्ति जिसके पास इलाज का खर्च उठाने की क्षमता न हो उसको आर्थिक सहायता प्रदान कर सकते हैं और वह उन्हे तात्कालिक लाभ प्रदान कर उसे उसके सामने संकट जो खड़ा है उससे निकाल सकते हैं लेकिन विधायक क्षेत्र के जरूरतमंद लोगों, गरीब असहाय लोगों को मिल सकने वाले अधिकार से लगातार वंचित कर

रहे हैं और वह स्वेक्षानुदान की राशि अपने पार्टी के नेताओं को अपने प्रतिनिधियों को और पत्रकारों को बांट रहे हैं और एक तरह से वह इस तरह अपने लिए कार्यकर्ताओं और अपना गुणगान करने वालों की एक संख्या तैयार कर रहें हैं और योजना का माखौल उड़ा रहे हैं, जो है तो गरीब जरूरतमंदों के लिए लेकिन जिसका लाभ सत्ताधारी दल के नेता और विधायक का गुणगान करने वाले प्राप्त कर रहें हैं, और असल जरूरतमंद आज भी मुसीबत के वक्त अकेला है बीना सहायता के, जबकि गरीबों की सहायता और उनका उत्थान हम करेंगे पिछला नेता नहीं कर रहा है, यही कहकर लोग विधायक बनकर आते हैं। वैसे यह किसी एक दल से जुड़ा मामला भी नहीं है अविभाजित कोरिया जिले की ही बात की जाए तो पिछले चुनाव में अविभाजित कोरिया जिले की तीनों विधानसभा में विधायक स्वेक्षानुदान राशि के बंदरबांट का मामला प्रमुख चुनावी मुद्दा था हर विपक्षी दल के लिए जनता के बीच उस समय के भाजपा विधायकों ने कैसे स्वेक्षानुदान अपने पार्टी के लोगों के बीच संपन्न लोगों के बीच बांटा यह सभी विपक्षी विधायक पद के दावेदार मंचो से जनता को बताया करते थे और जिसका संदेश भी आम मतदाता के बीच वैसा ही पहुंचा जैसा विपक्षी दल चाहते थे और अविभाजित कोरिया जिले की तीनो विधानसभा उस समय की सत्ता पर काबिज भाजपा और उसके निर्वाचित विधायक चुनाव हार गए।

पूर्व के विधायक के तर्ज पर वर्तमान विधयाक कर रहे काम

मतदाताओं ने माना था की विपक्ष का आरोप सही है और गरीब जरूरतमंद के लिए लागू स्वेक्षानुदान योजना का लाभ विधायक अपने चेहरे को चमकाने के लिए कर रहें हैं और असल जरूरतमंद योजना से उसके लाभ से वंचित हो जा रहा है और उसने तख्ता पलट दिया जिसका परिणाम देखने को भी मिला लेकिन आज वही विधायक वही राजनीतिक दल जो उस समय सत्ता पर काबिज दल और निर्वाचित विधायक के खिलाफ स्वेक्षानुदान बंदरबांट को लेकर मुखर थे इसलिए मौन हैं क्योंकि जब उनकी बारी आई जनता ने उन्हें चुना जिससे उनका हक उन्हे मिल सके वह भी वही करने लगे जो पहले के लोगों ने किया। अविभाजित कोरिया जिले के मनेंद्रगढ़ विधायक का स्वेक्षानुदान किस तरह और कैसे पार्टी के ही बड़े नेताओं पदाधिकारियों सहित पत्रकारों को बांटा गया जो संपन्न हैं यह मामला और आरोप अभी विपक्ष का ठंडा भी नहीं हुआ था की अब विधानसभा क्रमांक 1 का मामला सामने आ गया जहां विधायक सबसे आगे निकल गए और उन्होंने अपने प्रतिनिधियों के परिवारजनों को रेवड़ी की तरह स्वेक्षानुदान राशि का वितरण कर दिया जो सूची से जाहिर हो रहा है।

आम गरीब जरूरतमंद यदि सूची में लाभार्थी बना भी है तो पांच दस बीस हजार तक ही पा सका है

आम गरीब जरूरतमंद यदि सूची में लाभार्थी बना भी है तो पांच दस बीस हजार तक ही पा सका है लेकिन सफेद कुर्ता पायजामा और लाखों करोड़ों की गाड़ियों में घूमने वाले विधायक भरतपुर सोनहत के करीबियों उनका गुणगान करने वालों और उनके प्रतिनिधियों को लाखों में स्वेक्षानुदान प्रदान किया गया है जो यह दर्शाता है की आम गरीब की कद्र आज भी वही है जो पहले थी और असल जरूरतमंद वही है जो विधायक के साथ घूमता हो उनका गुणगान करता हो और भले ही वह करोड़पति हो।भरतपुर सोनहत विधायक के द्वारा वितरित स्वेक्षानुदान की सूची लेकर अब भाजपा के नेता उनसे सवाल पूछ रहे हैं क्या यही असली जरूरतमंद हैं जिन्हे आपने स्वेक्षानुदान प्रदान किया है,यदि ऐसा है तो यदि स्वेक्षानुदान प्राप्त करने के लिए कांग्रेस पार्टी का पदाधिकारी होना जरूरी है कार्यकर्ता होना जरूरी है तो क्यों नहीं इस योजना का नाम कांग्रेस पार्टी उत्थान विधायक निधि रख दिया जा रहा है यह भी भाजपा नेता प्रश्न उठा रहे हैं।

भरतपुर सोहनत विधायक के मीडिया प्रभारी पर शासकीय जमीन पर कब्जे का भी लगा आरोप

भरतपुर सोनहत विधायक भी चुनाव जैसे जैसे करीब आते जा रहें हैं सुर्खियां बटोर रहे हैं,स्वेक्षानुदान बंदरबांट के साथ ही उनके एक मीडिया प्रभारी ने शासकीय जमीन पर कब्जा जमाया है और जो उनके सबसे करीबी हैं दिनभर साथ साथ रहने वाले निज सचिव हैं यह भी बात सामने आ रही है की यह जमीन कीमती है और इसीलिए इस पर कब्जा विधायक की मौन सहमति के आधार पर दर्ज किया जा रहा है जिससे इसकी कीमत बाद में वसूली जा सके। यह जमीन जिला संयुक्त कार्यकाल के पीछे तरफ है और इस लिहाज से आने वाले समय में इसकी कीमत क्या होगी इसका अंदाजा लगाया जा सकता है और इसीलिए मीडिया प्रभारी विधायक जमीन पर कब्जा जमाए हुए हैं और क्योंकि सैयां भए कोतवाल तो डर काहे का मानकर मिडिया प्रभारी भी निश्चिंत हैं। वैसे जमीन कब्जा मामला भी सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार सही ही है और इस तरह एक मीडिया प्रभारी विधायक जल्द करोड़पति का खिताब पा सकेंगे यह बताया जा रहा है। शासन प्रशासन भी मौन है, क्योंकि मामला विधायक के निज सचिव से जुड़ा हुआ है, आम आदमी या कोई भूमि विहीन कब्जा कर आशियाना बनाना चाहता तब भले प्रशासन बुलडोजर लेकर आता अब जब सरकार ही सामने है किसमें है हिम्मत जो उन्हे रोक सके।

भरतपुर सोनहत विधायक की स्वेक्षानुदान राशि वितरण सूची में कांग्रेस पार्टी के दिग्गजों के परिजनों को बांटी गई लाखों रूपये की स्वेक्षानुदान राशि

अविभाजित कोरिया जिले के मनेंद्रगढ़ विधायक की स्वेक्षानुदान राशि वितरण सूची कई महीनो वर्षो से वायरल हो रही है हर बार लाभार्थी कांग्रेस नेता, पार्षद, पार्टी पदाधिकारी,युवा मोर्चा पदाधिकारी और पत्रकार ही बनते रहे और वह आरोप लगने के बाद भी बंदरबांट करते रहे। अब भरतपुर सोनहत विधायक की स्वेक्षानुदान राशि वितरण सूची सामने आई है,इसमें भी लाभार्थी बड़े कांग्रेसी नेता हैं और अधिकांश पार्टी के ही कार्यकर्ता और विधायक के करीबी लोग,आम लोग लाभार्थी के श्रेणी में शामिल भी हैं तो गिने चुने। भरतपुर सोनहत विधायक की स्वेक्षानुदान सूची देखकर यह भी अंदाजा लगाया जा सकता है की उन्होंने बड़े नेताओं को पार्टी के बड़े पदों पर बैठे नेताओं को बड़ी बड़ी राशि प्रदान की है वहीं असल जरूरतमंद को नाममात्र का सहयोग प्रदान किया है। सबसे आश्चर्यजनक नाम ब्लॉक कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष की धर्मपत्नी का इस लाभार्थी सूची में है जिन्हे डेढ़ लाख जैसी बड़ी राशि विधायक ने प्रदान की है जबकि ब्लॉक अध्यक्ष अच्छे संपन्न परिवार से हैं और कम से कम उन्हे किसी अनुदान की जरूरत नहीं यह उन्हे जानने वाला कोई बता सकता है।

क्या गरीब जरूरतमंद के लिए मुफ्त अनाज, पेंशन योजना,शासकीय अस्पताल में लचर व्यवस्था के बीच इलाज तक की ही सुविधा तय है

विधायक स्वेक्षानुदान देखा जाए तो वह योजना है जिसके अंतर्गत यदि विधायक चाहे तो अपने क्षेत्र के उन जरूरतमंदों का चयन करके उन्हे बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराकर उनका जीवन बचा सकता है जिन मामलों में जरूरतमंद निजी और महंगे इलाज से वंचित रह जाता है,विभिन्न मंडलियों के नाम पर भी भुगतान किया जाता है उसे भी अनुचित नहीं कहा जा सकता लेकिन यदि इस योजना का कोई सबसे अच्छा उपयोग है या हो सकता है तो वह इलाज क्षेत्र में ही मदद कर हो सकता है। वहीं विधायक इसे अपना ऐसा अधिकार मानकर चल रहें हैं जिसका जैसा चाहें वह उपयोग कर लें और अधिकांश मामलों में देखा जा रहा है यह राशि विधायक अपना चेहरा चमकाने में ही प्रयोग कर रहे हैं। अब ऐसे में असल जरूरतमंद इस योजना से वंचित रह जा रहा है। सवाल उठता है की गरीबों की बात करने वाले नेता जो अधिकांशतया उन्ही गरीबों वंचित लोगों के बीच से आते हैं और ऐसे ही मामलो का विरोध कर आते हैं क्या आते ही वह भी पुरानी परंपरा में ढल जाते हैं। क्या आज भी गरीब जरूरतमंद के लिए मुफ्त अनाज,वृद्धावस्था,निराश्रित,बेरोजगारी भत्ता जैसे पेंशन और शासकीय अस्पतालों में लचर व्यवस्था के बीच इलाज तक का ही अधिकार प्राप्त है उनके नाम पर जारी योजनाएं आज भी संपन्न लोगों की ही गिरफ्त में हैं यह सवाल बड़ा सवाल है।

ब्लॉक अध्यक्ष कांग्रेस यदि है सबसे जरूरतमंद,ऐसी स्थिति में विधानसभा के अन्य गरीबों की क्या है ?

भरतपुर सोनहत विधायक की स्वेक्षानुदान राशि वितरण सूची यदि देखी जाए तो पूरी सूची में अधिकांश लाभार्थी कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारी और सदस्य हैं,वहीं डेढ़ लाख जैसी बड़ी सहायता पाने वाली एक महिला ब्लॉक कांग्रेस कमेटी भरतपुर सोनहत अध्यक्ष की धर्मपत्नी हैं जो संपन्न या अति संपन्न परिवार से आती हैं यदि ऐसे लोग विधायक की नजर में जरूरतमंद हैं तो उनकी नजर में जो असल जरूरतमंद हैं उनके लिए क्या श्रेणी है यह सवाल जरूर खड़ा होता है। यदि संपन्न आर्थिक सहायता का अधिकारी है तो गरीब की सहायता योग्य विधायक को सरकार ने बनाया नहीं है यह भी सवाल उठता है,कुल मिलाकर क्षेत्र के गरीब जो असल जरूरतमंद हैं उन्हे उनकी जरूरत पर और अधिक राशि की जरूरत है जो विधायक उन्हे उपलब्ध नहीं करा पा रहें हैं यह भी इस सूची अनुसार समझ में आता है।

पिछले चुनाव में विधायक स्वेक्षानुदान बंदरबांट मामला ही था मुख्य चुनावी मुद्दा,इस बार भी यही मुद्दा होगा प्रमुख...अभी से नजर आने लगा

बात यदि पिछले विधानसभा चुनाव की हो तो उस चुनाव में विधायक स्वेक्षानुदान बंदरबांट मामला प्रमुख चुनावी मुद्दा था, उस समय का विपक्ष इसी एक मामले में सत्ताधारी दल के विधायक पद के दावेदारों पर सबसे ज्यादा आक्रमक था क्योंकि विपक्ष के सामने विधायक रहते हुए दूसरी बार विधायक बनने उस समय के सत्ताधारी दल के प्रत्याशी मैदान में थे। विपक्ष के उम्मीदवारों ने उस चुनाव में सभी मंचो से केवल मतदाता आम जनता के बीच यही संदेश प्रेषित किया की कैसे उनके हक का पैसा विधायक अपना चेहरा चमकाने और अपने समर्थकों को खुश करने बांट रहें हैं और गरीबों का हक मार रहे हैं। उस समय जनता ने मतदाता ने भी इसको लेकर गंभीरता से मंथन किया और उन्होंने तख्ता पलट दिया।

जिला पंचायत सदस्य रविशंकर भरतपुर सोनहत विधायक पर हो चुके हैं आक्रमक,घूम-घूमकर बता रहे जनता को उनकी गलतियां

भरतपुर जनकपुर क्षेत्र से जिला पंचायत सदस्य नंगे पांव चलने के नाम पर प्रसिद्ध क्षेत्र में अत्यंत लोकप्रिय जिला पंचायत सदस्य साथ ही भाजपा से विधानसभा क्रमांक 1 के दिए संभावित उम्मीदवार रविशंकर आज कल विधायक भरतपुर सोनहत को लेकर आक्रमक हैं,स्वेक्षानुदान बंदरबांट मामले में वह विधायक को हर मंच पर घेरते नजर आ रहे हैं और अब वह पूरे क्षेत्र में भ्रमण पर हैं और विधायक की कमियां जनता के सामने रखकर विधायक से सवाल कर रहें हैं की क्या असली जरूरतमंद की श्रेणी में कांग्रेसी ही मात्र शामिल हैं क्या आम जरूरतमंद उनकी लिस्ट से बाहर है।

क्या भाजपा से कोरबा लोकसभा क्षेत्र के लिए तैयारी कर रहे डॉक्टर ने अब बदली अपनी रणनीति,हर पार्टी कार्यक्रम में जाना खुद के लिए नहीं रखा अनिवार्य ?

झारखंड से कोरिया प्रवास पर पहुंचे भाजपा विधायक आलोक चौरसिया ने ली भाजपा के कार्यों की समीक्षा पर नहीं दिखे डॉक्टर साहब

प्रवास के दौरान बैकुंठपुर,पटना और कुंड़ेली मंडल में सभा आयोजित कर किया जन समुदाय को संबोधित

जहां जुटेगी अच्छी खासी भीड़,वहां से उनके लिए फोटो सहित जब भीड़ का जायेगा संदेश तभी पहुचेंगे वह पार्टी कार्यक्रम में:सूत्र

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,25 अगस्त 2023
(घटती-घटना)।

राजनीति में भी कब कौन शामिल हो जाए कब कौन आम बनकर जनता का दिल जीतने की कोशिश में लग जाए कब, जब वह पद पा जाए तो जनता को ही भूल जाए जिसके कारण उसे पद मिला है कहा नहीं जा सकता, ऐसा ही कुछ हाल ही में राजनीति में सक्रिय हुए जिला मुख्यालय के एक निजी क्लीनिक संचालक को लेकर कहा जा सकता है। लगातार कई आरोपों और कई मामलों से घिरे हुए डॉक्टर साहब ने अचानक राजनीति में कदम रख दिया और इस कदर वह सक्रिय हुए की उन्हे देखकर अच्छे अच्छे नेताओं ने अपनी ही उंगली दांतो तले दबा ली, जब उन्हे उनके राजनीतिक प्रवेश की सूचना मिली,कभी सामाजिक जीवन का कोई उदाहरण प्रस्तुत नहीं कर पाए, किसी

विशेष सामाजिक किसी आयोजन में बिना हिस्सेदारी किए जब डॉक्टर साहब सक्रिय हुए, राजनीति में तब अचानक उन्होंने खुद में इतना बदलाव लाया हर जगह हर कार्यक्रम सार्वजनिक आयोजन में वह पहुंचने लगे और लोग आश्चर्यचकित हो गए। डॉक्टर साहब राजनीति में प्रवेश से पहले खुद को सामाजिक सरोकारों वाला साबित कैसे करें इसको लेकर सक्रिय दिखे पूजा पंडालों और अन्य सामाजिक आयोजनों में वह धीरे धीरे सक्रिय होने लगे और जब उनकी चर्चा लोग करने लगे वह राजनीति में प्रवेश कर गए और आज वह भाजपा में शीर्ष पद प्राप्त कर चुके हैं और लोकसभा कोरबा क्षेत्र से तैयारी कर रहे हैं।

क्या डॉक्टर साहब के लिए पार्टी का कार्यक्रम माने नहीं रखता ?

विधानसभा चुनाव के मद्देनजर छत्तीसगढ़ भाजपा की जमीनी गतिविधियों का जायजा लेने प्रत्येक विधानसभा वार कई राज्यों के विधायकों को जिम्मेदारी दी गई है। इसी सिलसिले में कोरिया जिले के विधानसभा बैकुंठपुर में भी झारखंड के डाल्टनगंज विधायक आलोक चौरसिया का आगमन 21 अगस्त को हुआ जिसके तहत 22 अगस्त को जिला भाजपा कार्यालय में जिले के वरिष्ठ भाजपा नेता और सभी मोर्चो के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में आलोक चौरसिया की पहली बैठक संपन्न हुई। बैठक की मुख्य गतिविधियां जिले के विधानसभा, मंडल, बूथ और शक्ति केंद्रों पर चुनावी तैयारियों पर चर्चा साथ ही सभी कार्यकर्ताओं से उनके दायित्व और प्रगति पर बात की गई। जिसके बाद प्रवास पर आए विधायक के द्वारा 23 अगस्त को बैकुंठपुर विधानसभा के पटना मंडल की समीक्षा बैठक ली गई साथ ही बैठक में उपस्थित पटना मंडल अध्यक्ष कपिल जायसवाल से उनके मंडल की चुनावी तैयारियों और कार्यकर्ताओं की भूमिका पर आवश्यक जानकारी ली गई। पर डॉक्टर साहब इस बीच पार्टी के किसी कार्यक्रम से उपस्थित दर्ज नहीं करा पाए, हर जगह बड़ा कार्यक्रम हो या छोटा वह जाने लगे और हर क्षेत्रीय सामाजिक किसी आयोजन में वह हिस्सा बनने लगे। अपनी ख्याति उन्हे कैसे फैलानी है वह इसको लेकर पूरी मेहनत करने से पीछे नहीं हटे और जैसा की अब माना जा रहा है की उन्हें पार्टी भी एक तरह के कोरबा लोकसभा का संभावित उम्मीदवार मान रही है और डॉक्टर साहब का काम बनता नजर आ रहा है। पर पार्टी के कार्यक्रम में ना पहुचने से डॉक्टर साहब की आलोचना भी हो रही। क्या डॉक्टर साहब सिर्फ भीड़ बाले कार्यक्रम में ही जाएगे या फिर पार्टी के आयोजित कार्यक्रम में पहुचेंगे? क्या डॉक्टर साहब अब आश्वस्त हैं की क्षेत्रीय स्तर पर वह पार्टी में स्वीकार कर लिए गए हैं, इसलिए अब ज्यादा घूमना फिरना बंद करना है और अब वहीं जाना है जहां पहले से ही सैकड़ों हजारों की भीड़ जुटी हो? और वहां जाकर उनके बीच चेहरा दिखाना है और बना बनाया एक माहौल अपने पक्ष में करना है? कुल मिलाकर बेवजह खर्च करना समय बर्बाद करना उन्होंने ऐसा करने से परहेज करने का निर्णय ले लिया है ऐसा सूत्रों का मानना है।

विधानसभा चुनाव के तैयारी के किए आयोजित बैठक में नहीं पहुचे डॉक्टर साहब

सूत्रों की माने तो पटना में हाल ही में पार्टी की तरफ से कार्यक्रम आयोजित हुए जिसमे कार्यकर्ताओं को विधानसभा चुनाव के लिए तैयार करने बैठक आयोजित की गई और बैठक में झारखंड से विधायक एवं प्रभारी बतौर पहुंचे अतिथि कार्यकर्ताओं की बैठक लिए लेकिन डॉक्टर साहब नहीं पहुंचे, इसके पीछे की वजह जो सूत्रों की तरफ से बताया जा रहा है वह यह है की डॉक्टर साहब अब पार्टी के छोटे मोटे कार्यक्रम कार्यकर्ता सम्मलेन जहां केवल पार्टी के ही लोग होंगे वहां नहीं जायेंगे इसके लिए उन्होंने यह रणनीति बनाई है की वह किसी पार्टी कार्यक्रम की पहले फोटो मनगवाएंगे जो कार्यक्रम आरंभ होने के बाद की होगी और उसमे जुटी संख्या देखकर वह निर्णय लेंगे की वहां भीड़ कितनी है तब वह जाएंगे, कम भीड़ होने पर वह नहीं जायेंगे और यदि भीड़ अच्छी होगी वह जाएंगे। इस निर्णय के पीछे की वजह को लेकर यह भी सूत्र बताते हैं की उनकी सोच यह है की विधानसभा चुनाव उन्हे लडना नहीं है और अभी माहौल उसी का है इसमें ज्यादा उछल कूद उनके लिए आर्थिक चोट साबित हो सकता है, वहीं उन्हे यदि लोकसभा में उम्मीदवार पार्टी बनाती है तो उन्हे पार्टी के लोग तो मदद करेंगे ही और जब पार्टी की बैठक में पार्टी के ही लोगों को आना है और वह भी कम ही लोग आएंगे तो ऐसे में जाकर समय और अर्थ दोनो बर्बाद करने का कोई मतलब नहीं है। खबर सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार तयार किया गया है इसकी पुष्टि हम नहीं करते।

8 दिवसीय प्रवास पर कोरिया पहुंचे झारखंड राज्य के भाजपा विधायक आलोक चौरसिया

मंडल कार्यसमिति की बैठक दुर्गा पांडाल में आयोजित की गई। बैठक में भाजपा के वरिष्ठ नेता, मंडल के पदाधिकारी,कार्यसमिति सदस्य सहित शक्तिकेंद्रों के संयोजक सह संयोजक व बूथ इकाई अध्यक्ष और सक्रिय सदस्य उपस्थित रहे। पटना मंडल की बैठक पश्चात शक्ति केंद्र डुमरिया, बरदीया और सोरगा के गतिविधियों की जानकारी ली गई। और सभा के माध्यम से सभा में उपस्थित भाजपा नेता और कार्यकर्ताओं सहित आमजनों को केंद्र की भाजपा सरकार के उपलब्धियों और समूचे देश में जन जन तक पहुंचाते सीधे विकास और जन सरोकार को अवगत कराते हुए कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी पूर्वक दृणता से कार्य करने जोश और उत्साह भरे शब्दों से संबोधित किया गया। इसी तरह 8 दिवसीय प्रवास पर कोरिया पहुंचे झारखंड राज्य के भाजपा विधायक आलोक चौरसिया के द्वारा 24 अगस्त को कुडेली भाजपा मंडल की समीक्षा बैठक ली गई। बैठक में मंडल अध्यक्ष धीरेंद्र साहू से मंडल की सभी चुनावी तैयारियों और गतिविधियों से चर्चा करते हुए सभी शक्ति केंद्र और बूथ प्रभारियों से रू ब रू हुए और कार्यकर्ताओं को उनके सक्रिय दायित्व के मूलमंत्रों पर आचार विचार का आदान प्रदान किया गया। झारखंड से कोरिया जिला 8 दिवसीय प्रवास पर पहुंचे विधायक आलोक चौरसिया का तीसरे दिन का प्रवास कार्यक्रम में कोरिया भाजपा जिला अध्यक्ष कृष्ण बिहारी जायसवाल के नेतृत्व में और प्रवासी विधायक आलोक चौरसिया व पूर्व मंत्री भईया लाल राजवाड़े के मार्गदर्शन में आयोजित की गई। जिसमे मुख्य रूप से भाजपा जिला महामंत्री विनोद साहू, जिला उपाध्यक्ष लक्ष्मण राजवाड़े, जिला उपाध्यक्ष देवेंद्र तिवारी, जिला उपाध्यक्ष शैलेश शिवहरे, विधानसभा विस्तारक विश्वनाथ साहू जिला पंचायत सदस्य सुनीता कुर्रे, जनपद अध्यक्ष सौभाग्यवती सिंह, भाजपा महामंत्री पंकज गुप्ता, भानूपाल, भाजपा प्रवक्ता विमल गुप्ता, विंध्येश पांडेय,भाजपा युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष हितेश सिंह,पूर्व जिला अध्यक्ष जवाहरलाल गुप्ता, रविशंकर शर्मा, जगदीश साहू, ध्रुवनाथ तिवारी, श्री राम राजवाडे, राम लखन यादव, संपत कुशवाहा रूपचंद गुप्ता, दिनेश चक्रधारी, राजेश साहू, शंकर प्रसाद सोनी, रितेश सिंह धीरेंद्र सोनी, पर्वेंद्र सिंह, अनिल जायसवाल संदीप दुबे प्रेम प्रकाश पांडे चंदन देवांगन,उपस्थित रहे।

नगर में नहीं थम रही हैं चोरी की घटनाएं

लगातार होती चोरियों से आमजन परेशान

अरविन्द द्विवेदी
अनूपपुर (बिजुरी),25 अगस्त 2023
(घटती-घटना)।

मौजूदा समय में बिजुरी थाना क्षेत्रान्तर्गत चोरियों का सिलसिला रुकने का नाम नहीं ले रहा है। लेकिन यहां पुलिस चोरों को पकड़ने में सफल नहीं हो पा रही और चोरी की घटनाएं बढ़ती ही जा रही है। मामले कागजों तक ही सीमित हैं, वहीं पुलिस चोरी का मामला नहीं सुलझा पा रही और न ही चोरों तक पहुंच पा रही है जिससे आमजन में दहशत का माहौल है। थाना क्षेत्रांतर्गत चोरी कि घटनाओं में किसी तरह कि कमी होता नजर नही आ रहा है। बजारों एवं चौक-चौराहों से सायकल एवं मोटर सायकल सहित कालरी के वर्कशापों सें मशीनी उपकरण, तार, कीमती कलपुर्जों कि चोरी करने वाले चोर गिरोह अब खुलेतौर पर लोगों के घरों में भी घुसकर मोटर सायकल सहित अन्य कीमती समानों को पार करने में गुरेज नही खा रहे हैं।

शिकायतकर्ता को ही समान तलाशने की हिदायत देकर बैरंग लौटा रहे हैं पुलिसकर्मी

आजकल नगर में पुलिस के खुफिया तंत्र लगभग निष्क्रिय हो चले हैं, जिसके चलते बीते एक वर्ष से थाना क्षेत्रान्तर्गत लगातार चोरी की वारदातें घटित हो रही है और आमजन स्वयं को असुरक्षित महसूस करने लगा है...बीते कुछ ही माह में अज्ञात चोरों द्वारा नगर के अलग-अलग हिस्सों में दर्जनों घटनाओं को अंजाम दिया जा चुका है,इसके चलते लोगों का जीना मुहाल हो चुका है...लगातार बढ़ती चोरी की वारदातों के चलते पुलिस को सघन गश्त करने की आवश्यकता है...

घर के सामने से मोटर सायकल चुरा ले गऐ चोर

थाना क्षेत्रांतर्गत वार्ड क्रमांक 10 अलीनगर निवासी शशी गुप्ता पिता रमेश गुप्ता के घर के सामने रखी मोटर सायकल वाहन को चोरों द्वारा 22 अगस्त की शाम लगभग 06 से 08 के बीच चोरी कर ले गए। जिसकी शिकायत शिकायतकर्ता द्वारा थाना बिजुरी में किया गया। किन्तु शिकायतकर्ता के आवेदन को वापस करते हुऐ पदस्थ आरक्षक द्वारा शिकायतकर्ता को ही अपने समानों की खोजबीन करने कि हिदायत देकर बैरंग लौटा रहे हैं। जिसके कारण आम आदमी परेशान एवं व्यथित होकर बदहाल कानून व्यवस्था को कोसता नजर आ रहा है। वहीं मामले के संबंध में जब बिजुरी थाना प्रभारी से फोन पर बात की गयी तो थाना प्रभारी ने भी दूसरे दिवस थाना आने की सलाह देकर शिकायतकर्ता को वापस भेज दिया।

कानून-व्यवस्था को दुरुस्त करने की आवश्यकता

बिजुरी थाना क्षेत्र वैसे तो जिले भर के थाना क्षेत्रों में एक शांत-व्यवस्थित थाना के रूप में जाना जाता है। जिसका एक कारण यह भी है कि थाना क्षेत्र कोयलांचल नगरी होने के साथ-साथ आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र भी है। मसलन स्थानीय रहवासी दैनिक कार्यों को कर शांति से जीवन व्यतीत करने पर यकीन रखते हैं। लेकिन बीते कुछ समय से थाना प्रभारी के नाक के नीचे अधीनस्थ कर्मियों द्वारा आज तरह-तरह के कारनामों को अंजाम दिया जा रहा है जिससे बिजुरी थाना क्षेत्र अस्थिर होकर रह गया है। लिहाजा अशांत बिजुरी कि स्थितियों को भांपकर चोरों द्वारा आए दिन चोरी के वारदातों को अंजाम दिया जा रहा है। थाना प्रभारी को सक्रियता दिखाकर अधीनस्थ कर्मियों को दुरुस्त करते हुऐ क्षेत्र कि अवैध गतिविधियों सहित, चोरी एवं अवैध कारोबार में अंकुश लगाकर कानून-व्यवस्था को दुरुस्त करने की आवश्यकता है जिससे नगर कि शान्ति व्यवस्था बनी रहे।

मझौली में ग्यारह लाख रुपए से निर्मित सीसी सड़क चढ़ी भ्रष्टाचार की भेंट

क्या प्रशासन इस तरह के ग्राम पंचायतों में गुणवत्ता विहीन निर्माण कार्यों को कराने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई करेगा?

क्या तेरह सालों से एक ही स्थान पर पदस्थ अधिकारी ने गुणवत्ता विहीन निर्माण कार्य करने वालों को खुली छूट दे रखी है?

-राजेन्द्र शर्मा-
खड़गवां 25 अगस्त 2023
(घटती-घटना)।

खड़गवां जनपद पंचायत के बगल का ग्राम पंचायत मझौली स्थित है और इस ग्राम पंचायत मझौली मे 11 लाख रुपए की लागत से सी सी सडक का निर्माण कार्य लगभग आठ माह पूर्व हुआ था इस निर्मित सी सी सडक का निर्माण कार्य पूर्णत गुणवत्ता विहीन कार्य किया गया था जिसकी शिकायत भी स्थानीय ग्रामीणों के द्वारा किया गया था इस सी सी सड़क निर्माण कार्य में स्थानीय ग्रामीणों ने आरोप लगाया था कि अजकश मशीन से सी सी सडक निर्माण कार्य कराया जा रहा है वो पूर्णतः गुणवत्ता विहीन और सड़क निर्माण कार्य में घटिया सामग्री का उपयोग कर सी सी सड़क निर्माण कार्य किया जा रहा है इस निमार्ण कार्य में घटिया सीमेंट और सेट सीमेंट का उपयोग कर सी सी सड़क का निर्माण कार्य किया जा रहा है सड़क के निर्माण कार्य में बाईब्रेटर का कही इस्तेमाल नहीं किया जा रहा है सड़क निर्माण कार्य की नीचली सतह पर जिस समाग्री का उपयोग कर सतह को तैयार कर सी सी सड़क का निर्माण कार्य कराया जाना था वो नहीं किया गया है और आनन फानन में गुणवत्ता विहीन सीमेंट का उपयोग एवं सी सी सड़क की निचली सतह पर जिस प्लास्टिक का उपयोग कर निर्माण कार्य किया जाना था उसका उपयोग नहीं किया जा रहा है पूर्ण रूप से घटिया प्लास्टिक का इस्तेमाल कर सी सी सड़क का निर्माण कार्य कराया गया है।

इस संबंध में अनुविभागीय अधिकारी ग्रामीण यांत्रिकी विभाग से जानकारी चाही तो उन्होंने ने कहा कि सड़क तो गुणवत्ता युक्त ही निर्मित हुई थी।

पिछले 13 साल से जमे बैठे है अधिकारी

ग्रामीण यांत्रिकी विभाग खड़गवां में पदस्थ अनुविभागीय अधिकारी के द्वारा जितने भी निर्माण कार्यों को कराया गया है कोई भी निर्माण कार्य गुणवत्ता युक्त नहीं हुए हैं पिछले तेरह सालों से एक ही स्थान पर पदस्थ होने के कारण इन के कार्य काल में हुए निर्माण कार्य अपनी गुणवत्ता का खुद प्रमाण दे रहे हैं और जनता की कमाई से दिये गये पैसों का दुरुपयोग किया जा रहा है ?

निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद लगाया गया सूचना पटल

इस सी सी सडक निर्माण कार्य स्थल पर निर्माण कार्य प्रारंभ रहता है तब तक किसी प्रकार का कोई सूचना पटल नहीं बनाया जाता है इसका कारण यह है कि सूचना पटल पर जानकारी लिखी होने के कारण स्थानीय ग्रामीणों द्वारा समाग्री गुणवत्ता लंबाई चौड़ाई आदि के संबंध में सवाल खड़े होंगे इस लिए सी सी सडक निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद सूचना पटल निर्माण किया जाता है। जबकि इस संबंध में ग्रामीण यांत्रिकी विभाग के इंजीनियर के द्वारा सी सी सडक निर्माण कार्य के लिए लेआउट दिया जाता है और निर्माण कार्य का निरीक्षण भी किया जाता है तब क्या इंजिनियर एवं ग्रामीण यांत्रिकी विभाग के अनुविभागीय अधिकारी को इस सी सी सडक निर्माण कार्य स्थल पर सूचना पटल लगाया गया है कि दिखाई नहीं देता है। ये अधिकारी सब कुछ देख कर भी इस तरह के निर्माण कार्यों को गुणवत्ता युक्त होने का प्रमाण पत्र भी धड़ल्ले से जारी करते हैं। इससे सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि ये अधिकारी इन निर्माण कार्यों के प्रति कितने जिम्मेदार है।

पाली कार्यकर्ता सम्मेलन में उमड़ा जन सैलाब,7600 लोगों ने किया भाजपा प्रवेश

-संवाददाता-
कोरबा,25 अगस्त 2023
(घटती-घटना)।

भाजपा का विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन पाली में आयोजित हुआ, जिसमे प्रदेश के दिग्गज नेता और पूर्व मुख्यमंत्री डा.रमन सिंह, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अरुण साव,विधान सभा नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल,विधायक ननकी राम कंवर सहित प्रदेश के अन्य दिग्गज नेता गण शामिल हुए,आयोजन की भव्यता देखते ही बन रही थी क्योंकि इस आयोजन में विधानसभा के लगभग 15 हजार से भी अधिक कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही और 7600 सौ गोगपा,कांग्रेस सहित अन्य पार्टियों के कार्यकर्ताओं ने भाजपा की रीति नीति से प्रभावित होकर भाजपा प्रवेश किया, साथ ही विधानसभा के कई बड़े सामाजिक कार्यकर्ता,समाज प्रमुख सहित क्षेत्र के जनप्रतिनिधि जैसे जनपद सदस्य,सरपंच उपसरपचों ने भी भाजपा का दामन थाम लिया है,उपस्थित अतिथियों से सभी नव प्रवेशी कार्यकर्ताओं का स्वागत मंच पर किया साथ ही सूची बद्ध कर भाजपा प्रवेश कराने पर स्थानीय नेताओं सहित कार्यकर्ताओं को बधाई दी,विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन में उपस्थित मुख्य अतिथि राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए की प्रदेश की भ्रष्ट भूपेश सरकार को उखाड़ फेंकने की शुरुवात पाली तानाखार की धरती से हो चुकी है, परिवर्तन का शंखनाद परिवर्तन का संदेश पालीताणा खार के इस सभा में जो उत्साह दिख रहा है मैं समझता हूं कि आने वाले 3 महीना में इस भ्रष्ट सरकार को प्रदेश की जनता उखाड़ फेंकेगी डॉक्टर रमन सिंह ने कहा कि हिंदुस्तान का छत्तीसगढ़ पहला राज्य बन चुका है जिसके आईएएस अधिकारी खनिज डायरेक्टर जैसे बड़े अधिकारी जेल में है,भूपेश सरकार ने 5 साल में सिर्फ छत्तीसगढ़ को लूटने का काम किया है भूपेश के कार्यकाल में 2000 करोड़ का शराब घोटाला 540 करोड़ का कोयला घोटाला, 600 करोड़ का चावल घोटाला हुआ ये जनता का पैसा भूपेश सरकार डकार गई,विशाल आम सभा को प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने संबोधित करते हुए कहा की एक तरफ दुनिया में मान सम्मान बढ़ाने का काम मोदी सरकार कर रही है और गांव गरीब के विकास के लिए योजना बाद तरीके से कार्य कर रही है वहीं दूसरी तरफ झूठी कसम खा खा कर भूपेश बघेल छत्तीसगढ़ की अस्मिता को लूटने का काम कर रही है,ये छत्तीसगढ़ की जनता है एक बार लाई के धोखा में कपसा को खा लिए है पर दोबारा धोखा नहीं खायेगी ये जनता सब जान सूची है की ये सरकार गांव गरीब किसान की नही बल्कि भ्रष्टाचारियों की है अवेध कारोबारियों की है, वही आयोजन की नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल, रामपूर विधायक ननकी राम कंवर,जिला संगठन प्रभारि श्याम बिहारि जायसवाल सहित प्रदेश जिला सहित स्थानीय नेताओं ने संबोधित किया, रामपुर विधायक ननकी राम कंवर,खाद्य आयोग के पूर्व अध्यक्ष ज्योति नंद दुबे, कोरबा भाजपा प्रत्याशी लखन लाल देवांगन,जिला संगठन सह प्रभारि गोपाल साहू, भाजपा जिला अध्यक्ष राजीव सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष नानक राम भावनानी,पूर्व महापौर जोगेश लांबा, महामंत्री विकेश्वर राठिया, अशोक चावलानी,नेता प्रतिपक्ष हितानंद अग्रवाल, विधानसभा प्रभारि ब्रजेन्द्र शुक्ला, सहित बड़ी संख्या में वरिष्ठ नेतागण, कार्यकर्ता गण उपस्थित थे।

केवाईसी सेंटर संचालक ने की व्यक्ति से ठगी

अंगूठा लगाकर की 607390 रूपये की धोखाधड़ी

-संवाददाता-
सूरजपुर,25 अगस्त 2023 (घटती-घटना)।

ग्राम नेवरा निवासी ननकू सिंह ने थाना सूरजपुर में शिकायत दिया कि वह पढ़ा लिखा नहीं है और एसईसीएल से रिटायर है, उसके बैंक खाता में ग्रेजुवटी एवं रिटायरमेंट का पैसा आया था। माह सितम्बर 2021 में पैसे की आवश्यकता पर केवाईसी सेंटर संचालक सुरेश चौधरी के पास गया और खाता से पैसा निकालने कहा तब उसने केवाईसी सेंटर के खाता से पैसा निकालने के लिए आधार कार्ड लिया और मशीन में 2 बार अंगूठा लगवाया और 10-10 हजार रूपये निकाल कर दिया, कुछ दिन बाद सुरेश आया और बोला कि जो पैसा निकाला था वह निकल तो गया पर मेरे खाता में सर्वर नहीं होने के कारण नहीं आया है यह कहकर मशीन में कई बार कुछ-कुछ दिन में अंगूठा लगवाया, पड़ोसी होने के नाते उस पर विश्वास करता था। कुछ माह बाद पैसे की आवश्यकता हुई तो दामाद के साथ सूरजपुर बैंक गया और 20 हजार रूपये निकलवाने पर बैंक द्वारा बताया गया कि आपके खाते में रकम कम है, बैंक खाता का स्टेटमेंट निकालने पर रकम सुरेश चौधरी के खाते में गया है। सुरेश चौधरी के द्वारा मशीन में अंगूठा लगवाकर मेरे खाता 607390 रूपये की धोखाधड़ी किया है। जांच में अपराध घटित करना पाए जाने पर आरोपी के विरूद्ध अपराध क्र. 371/23 धारा

420 भादसं. के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। मामले की सूचना पर पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री आई कल्याण एलिसेला ने धोखाधड़ी को अंजाम देने वाले आरोपी को जल्द गिरफ्तार करने के निर्देश के दिए। मामले की विवेचना के दौरान दबिश देकर आरोपी सुरेश चौधरी पिता सहदेव राम चौधरी उम्र 22 वर्ष ग्राम नेवरा, थाना सूरजपुर को पकड़ा गया। पूछताछ पर आरोपी ने बताया कि अपने डिवाईस में प्रार्थी का अंगूठा लगवाकर उक्त रकम ठगी करना और रकम से घर बनाने सहित अन्य कार्यों में खर्च कर देना बताया है। मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। कार्यवाही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शोभराज अग्रवाल व सीएसपी एस.एस.पैंकरा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी सूरजपुर लक्ष्मण सिंह धुर्वे व उनकी टीम सक्रिय रही।

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्रं0/ /ब-121/2022-23

-: ईश्तहार :-

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अर्चना मण्डल पति0 स्व0गौतम मण्डल निवासी ग्राम सुभाषनगर, तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम सुभाषनगर स्थित खसरा नम्बर 139/1 रकबा 1.350 हे0 रकबा में से रकबा 0.133 हे0 भूमि को अनावेदक अंचना अग्रवाल पति अजय कुमार अग्रवाल निवासी सुभाषनगर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के पास अंकन राशि रूपए 15,000.000/- में बिक्री करने का सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है जो जांच एवं प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 20.09.2023 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 17/08/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील — तहसीलदार सरगुजा (अम्बिकापुर)

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड बलरामपुर जिला बलरामपुर (छ0ग0)

Email:eebalram-phe-cg@nic.in

निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा क्र./51/ले.शा.ज.जी.मि./का.अ./लो.स्वा.यां.वि./2023 बलरामपुर,दिनांक 21.8.23

ऑन लाईन तृतीय निविदा आमंत्रण

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से जल जीवन मिशन अंतर्गत नल जल प्रदाय योजना के विभिन्न कार्यो के लिए प्रतिशत दर फार्म ''अ'' में निम्नानुसार निविदा आमंत्रित की जाती है:-

सि.नि.क्र.	कार्य की अनुमानित लागत (रू0 लाख में)	सि.नि.क्र.	कार्य की अनुमानित लागत (रू0 लाख में)
144994	152.60	145002	155.40
144995	417.55	145003	73.81
144996	169.55	145004	202.12
144997	167.66	145006	177.38
144999	124.56	145007	181.26
145000	126.46	145008	187.61
145001	37.56		

निविदा एवं कार्य का विस्तृत विवरण तथा धरोहर राशि,बिड वैधता की तिथि, कार्य की अवधि निविदाकार की श्रेणी, एवं कार्यो तथा स्थल संबंधी जानकारी ऑन लाईन ई-प्रोक्युरमेंट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 28.08.2023 से देखी जा सकती है तथा निविदा दिनांक 15.09.2023 तक बिड डाली जा सकती है। निविदा में आगामी संशोधन पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशित नही किए जायेंगे। अतः निविदाकार ऑन लाईन निविदा प्रक्रिया में सतत् संपर्क में रहें। अन्य विवरण कार्यालयीन समय पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, खण्ड बलरापमुर में देखे जा सकते हैं।

जी.नं.-04559/2 — कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड बलरामपुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः 202305020700212

विषयः-अ-27 मामले की श्रेणी-राजस्व
सनः- 2022-2023
माझापारा प.ह.न. 00026 (हे0)
पक्षकारों का विवरण-
आवेदक पक्षकार-पारस,महेश,चन्दरमनी ,
अनावेदक पक्षकार- चन्दरमनी,महेश,पारस

ईश्तहार

आवेदक चन्दरमनी आ0 चरकु, निवासी ग्राम माझापारा, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम माझापारा स्थित खसरा नंबर 94/1,111/2, 112/1,113/1, 418, 419/3 420/1, 476/2, 606/2,667 कुल खसरा नंबर 10 कुल रकबा 1.144 हे0 भूमि को उभयपक्ष के मध्य में 1/2 अंश में बटवारा किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जो ई-नामांतरण पोर्टल से ई-कोर्ट में प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 20/09/2023 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 01/06/2023 को जारी किया जाता है।

सील — तहसीलदार सरगुजा (अम्बिकापुर)

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्रं0/ 202306021200 /अ-6/2022-23

-: ईश्तहार :-

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीमती सुनीता पाण्डेय,पति वेद प्रकाश पाण्डेय,उम्र-37 वर्ष, जाति-ब्राम्हण,निवासी-फ ुन्दुरडिहारी, नगर अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 के द्वारा बताया गया कि अनावेदक/विक्रेता मनमोहन पाण्डेय,आ0स्व0 रामचन्द्र पाण्डेय,उम्र-80 वर्ष,जाति-ब्राम्हण,निवासी-नवापारा,नगर अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा छ0ग0 के स्वामित्व व हक की शीट क्रमांक-01 मोहल्ला-नवापारा नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लॉट नम्बर 3/102.रकबा 11 1/2x26=301वर्गफीट भूमि है। उक्त नजूल प्लॉट प्लाट3/102.रकबा 11 1/2x26=301 वर्गफ ीट भूमि को पंजीबद्ध विक्रय पत्र पंजीयन दिनांक 04.07.2023 के द्वारा अनावेदक/विक्रेता मनमोहन पाण्डेय आ0 स्व0रामचन्द्र पाण्डेय उम्र-80 वर्ष जाति-ब्राम्हण,निवासी-नवापारा नगर अम्बिकापुर जिला-सरगुजा छ0ग0 से मेरे द्वारा क्रय किया गया है। अतः पंजीबद्ध विक्रय पत्र पंजीयन दिनांक 04.07.2023 के आधार पर अपने नाम नामांतरण किए जाने बाबत आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 109,110 छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 13/09/2023 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 18/07/2023 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील — नजूल अधिकारी अम्बिकापुर

संजय बांगड़ ने आगामी वनडे विश्वकप के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की

» बाहर हुए तेज गेंदबाज को वापस लाया

नई दिल्ली,25अगस्त 2023। अगले हफ्ते भारत 2023 एशिया कप में अपने सफर की शुरुआत करेगा. 2 सितंबर को, मेन इन ब्लू अपने टूर्नामेंट के शुरुआती मैच में पाकिस्तान के खिलाफ उतरेगा। एशिया कप नेपाल के खिलाफ भारत के अंतिम ग्रुप मुकाबले के साथ जारी रहेगा, और टूर्नामेंट का फाइनल 17 सितंबर, 2023 को खेला जाएगा, इससे पहले कि टीम आईसीसी वन-डे इंटरनेशनल विश्व कप के लिए अक्टूबर में रवाना हो।

टीम इंडिया के पूर्व बल्लेबाजी कोच ने आईसीसी वनडे विश्व कप के लिए अपने शीर्ष 15 खिलाड़ी चुने

भारत के पूर्व बल्लेबाजी कोच संजय बांगड़ ने विश्व कप 2023 के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। विशेष रूप से, बांगड़ का ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर के स्थान पर बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को चुनने का निर्णय एक बड़ा आश्चर्य था। भारत 2023 वनडे विश्व कप की मेजबानी करेगा, जो 5 अक्टूबर से 19 नवंबर तक होने वाला है। भारत की क्रिकेट यात्रा में इस भव्य टूर्नामेंट से पहले एशिया कप और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक संक्षिप्त वनडे घरेलू श्रृंखला में भागीदारी शामिल है। बीसीसीआई के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने स्वीकार किया है कि विश्व कप टीम काफी हद तक एशिया कप रोस्टर से मिलती जुलती होगी।

बांगड़ ने स्टार स्पोर्ट्स पर एक वीडियो सेगमेंट में आगामी विश्व कप के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम का अनावरण किया। मेगा-इवेंट के लिए उनकी संयोजन रणनीति में पांच विशेषज्ञ बल्लेबाज, दो विकेटकीपर-बल्लेबाज, दो स्पिन-गेंदबाजी ऑलराउंडर, एक तेज-गेंदबाजी ऑलराउंडर, एक विशेषज्ञ स्पिनर और चार तेज गेंदबाज शामिल हैं। बांगड़ ने विभिन्न विभागों में उनके चयन को प्रभावित करने वाले कारकों पर प्रकाश डालते हुए प्रत्येक विकल्प के पीछे के तर्क को स्पष्ट किया। 50 वर्षीय खिलाड़ी की अंतर्दृष्टि प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के लिए उनकी टीम की संरचना के बारे में चर्चा में सार्थकता जोड़ती है। सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज चुनने के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा- स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडरों के लिए, मैं दोनों बाएं हाथ के बल्लेबाजों को प्राथमिकता दूंगा - अक्षर पटेल, रवींद्र जडेजा। एक तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या होंगे, जबकि विशेषज्ञ स्पिनर कुलदीप यादव होंगे। चार तेज गेंदबाज होंगे-जसप्रित बुमरा, मोहम्मद सिराज, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह।

आईसीसीवनडे विश्व कप 2023 के लिए संजय बांगड़ के शीर्ष 15 क्या हैं ?

संजय बांगड़ की वर्ल्ड कप 2023 टीम के 15 खिलाड़ी रोहित शर्मा, शुबमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, सूर्यकुमार यादव, ईशान किशन, केएल राहुल, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, रवींद्र जड़ेजा, कुलदीप यादव, जसप्रित बुमरा, मोहम्मद सिराज, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह.

संजय बांगड़ का बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को अपनी 15 सदस्यीय विश्व कप टीम में रखने का फैसला आश्चर्यजनक है क्योंकि सिंह ने बिना कोई विकेट लिए केवल तीन वनडे मैच खेले हैं। दूसरी ओर, अर्शदीप का टी20ई रिकॉर्ड प्रभावशाली है। उन्होंने 33 मैचों में 18.98 की औसत और 8.48 की इकॉनमी रेट के साथ 50 विकेट लिए हैं। वह एशिया कप (30 अगस्त-17 सितंबर) के लिए भारत की टीम में नहीं हैं.

राजेश्वरी कुमारी की बड़ी उपलब्धि

» निशानेबाजी में भारत को दिलाया सातवां ओलंपिक कोट

नई दिल्ली, 25अगस्त 2023। भारतीय महिला ट्रैप निशानेबाज राजेश्वरी कुमारी ने गुरुवार को बड़ा कारनामा किया है। दरअसल, राजेश्वरी ने भारत को निशानेबाजी में सातवां ओलंपिक कोटा दिलाया है। इसके साथ ही वो आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप में पांचवें स्थान पर रहीं। राजेश्वरी एशिया की ओलंपिक परिषद के कार्यवाहक अध्यक्ष रणधीर सिंह की बेटी हैं। हालांकि, वो इस चैंपियनशिप में पदक अपने नाम नहीं कर पाई। राजेश्वरी महिलाओं की ट्रैप निशानेबाजी में शगुन चौधरी के बाद देश को पेरिस ओलंपिक कोटा दिलाने वाली दूसरी निशानेबाज हैं। 31 वर्षीय राजेश्वरी ने शानदार प्रदर्शन करके 125 में से 120 अंक लेकर 6 निशानेबाजों के फाइनल में जगह बनाई थी। भारत की मनीषा कीर और प्रीति रजक क्रमश :23वें और 58वें स्थान पर रहीं। वहीं इटली ने 354 के स्कोर के साथ गोल्ड और ऑस्ट्रेलिया ने सिल्वर और चीन को कांस्य पदक मिला। फाइनल के बाद राजेश्वरी ने कहा,मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। ये अविश्वसनीय है। आखिर कोटा मिल गया। काश मैं पदक भी जाती पाती लेकिन अच्छा लगा रहा है। गौरतलब है कि, पेरिस ओलंपिक के लिए कुल मिलाकर भारत के निशानेबाजी में अबतक 7 कोटा हालिस किए हैं।

नाराज खाप पंचायतों को मना रहे हैं बजरंग पूनिया

» कहा- वो कहेंगे तो एशियाई खेलों से हट जाउंगा

नई दिल्ली,25अगस्त 2023। इन दिनों ओलंपिक ब्रॉन्ज मेडल विजेता बजरंग पूनिया खाप पंचायतों को मनाने में जुटे हैं। जिस कारण उन्होंने संकेत दिए है कि वो एशियन गेम्स से हट सकते हैं। पूनिया का कहना है कि, अगर जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान उनका समर्थन करने वाली सभी पंचायत उन्हें ऐसा करने के लिए कहती हैं तो वो एशियन गेम्स से हट सकते हैं।

भारतीय कुश्ती महासंघ के निवर्तमान प्रमुख बृजभूषण शरण पर कथित यौन उत्पीड़न के आरोप के बाद उनकी गिरफ्तारी की मांग के लिए प्रदर्शन कर रहे बजरंग पूनिया और उनके साथियों को खाप पंचायतों ने समर्थन दिया था।

वहीं बजरंग पूनिया के साथ जंतर मंतर पर प्रदर्शन करने वाले पहलवानों में ओलंपिक ब्रॉन्ज मेडलिस्ट साक्षी मलिक और एशियन गेम्स की गोल्ड मेडलिस्ट विनेश फोगाट शामिल थीं। लेकिन बाद में पंचायतें बजरंग और विनेश के एशियाई खेलों के ट्रॉयल्स में छूट की मांग को लेकर खुश नहीं थीं। कई पहलवानों के माता-पिता और उनके कोच ने भी इस छूट के खिलाफ हिसार में और भारतीय ओलंपिक संघ के मुख्यालय में विरोध प्रदर्शन किया था।

इसके साथ ही एशियाई खेलों के ट्रायल में विशाल कालीरमन टॉप पर रहे थे लेकिन उनका नाम स्टैंडबाई की सूची में डाल दिया गया जबकि बजरंग 65 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग में पहली पसंद थे। इसके बाद खाप पंचायतों ने विशाल के साथ हुए बर्ताव के लिए जींद में जाट धर्मशाला में बैठक की थी। खाप पंचायतों की नराजगी बढ़ता देख बजरंग ने हरियाणा के जींद में महापंचायत में संकेत दिया कि वो एशियाड से हट सकते हैं। अगर पंचायत उन्हें ऐसा करने के लिए कहेंगी।

वहीं अपने बयान में पूनिया ने कहा, जंतर-मंतर पर प्रदर्शन में जुड़ने वाली सभी खाप पंचायतें, सभी चौधरी संगठन के सदस्यों को इकट्ठा करो। वे जो भी आदेश देंगे, मैं उसका पालन करने के लिए तैयार हूं।

खेल मंत्रालय ने तेजस्विन शंकर के लिये पोल वॉल्ट लैंडिंग पिट खरीदने को मंजूरी दी

नई दिल्ली, 25अगस्त 2023। खेल मंत्रालय की मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) ने आगामी एशियाई खेलों के लिये राष्ट्रमंडल पदक विजेता तेजस्विन शंकर की तैयारी को लेकर यहां जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में 'पोल वॉल्ट लैंडिंग पिट' खरीदने के लिये वित्तीय सहायता को मंजूरी दी है ।

हांगझोउ एशियाई खेलों में ऊंची कूद और डेकाथलन के लिये क्वालीफाई कर चुके शंकर 23 सितंबर से शुरू हो रहे खेलों तक अकेले इसका इस्तेमाल करेंगे । उसके बाद जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में अभ्यास करने वाले सभी खिलाड़ी इसका प्रयोग कर सकेंगे ।मंत्रालय द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार इसे खरीदने और लाने की लागत टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) के तहत वहन की जायेगी ।

तेजस्विन के अलावा एमओसी ने पिस्टल निशानेबाज राही सरनोबत को ब्राजील के रियो दि जिनेरियो में अभ्यास और प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिये वित्तीय सहायता को मंजूरी दे दी है ।

राही दो से 19 सितंबर से रियो में रहेगी जहां आईएसएसएफ विश्व कप में भारत लेंगी । टॉप्स के तहत उनका और उनकी फिजियोथेरेपिस्ट ऐश्वर्य देशपांडे का हवाई किराया, रहने और खाने का खर्च, स्थानीय यातायात, राही की रेंज और प्रशिक्षण की फीस, हथियार संग्रहण की फीस , वीजा और बीमा की फीस वहन की जायेगी । राही के अलावा निशानेबाज इलावेनिल वालारिवान की भी रियो विश्व कप में भागीदारी के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है । राही और निशानेबाज अभिंद्या पाटिल के यूरोप में प्रशिक्षण को भी स्वीकृति मिल गई है । टेबल टेनिस खिलाड़ी स्वस्तिका घोष और पायस जैन 20 दिन के लिये जापान में कोच की जियान शियान के मार्गदर्शन में अभ्यास करेंगे और विभिन्न टूर्नामेंटों में भाग लेंगे जिसे टॉप्स से मंजूरी मिल गई है ।

नीरज चोपड़ा ने किया क्वॉलीफाई

नई दिल्ली,25अगस्त 2023। शुक्रवार को बुडापेस्ट में विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2023 के जैवलिन थ्रो इवेंट में नीरज चोपड़ा ने 88.77 मीटर के बेस्ट थ्रो के साथ अपने अभियान की शुरुआत की। उन्होंने 88.77 मीटर का थ्रो करते हुए फाइनल के लिए क्वॉलिफाई कर लिया है। साथ ही उन्होंने अगले साल होने वाले पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए भी क्वॉलिफाई कर लिया है। अब फाइनल में उनकी नजर गोल्ड पर होगी।

नीरज चोपड़ा के साथ ही भारत के मनु ने तीसरे प्रयास में 72.40 मीटर का थ्रो किया। उनका बेस्ट 81.31 मीटर थ्रो फेंका रहा। वो क्वॉलिफाई मार्क को हासिल नहीं कर सके। लेकिन वो ग्रुप ए से तीसरे नंबर पर हैं। उनसे ऊपर नीरज और जर्मनी के जुलियन वेबर हैं। यह वर्ल्ड्स में भारत का पहला रजत पदक था और 2003 में अंजू बॉबी जॉर्ज के लंबी कूद में कांस्य पदक के बाद प्रतियोगिता में दूसरा पदक था। चोपड़ा के साथ मनु डीपी और किशोर जेना भी शामिल होंगे। मनु को ग्रुप ए में रखा गया है और वह नीरज को कंपनी देंगे। इस बीच, किशोर ग्रुप बी में हैं। 37 भाला फेंकने वालों को दो समूहों - ए और बी में विभाजित किया गया है। वे रविवार को होने वाले 12-मैन फाइनल में जगह बनाने के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे और स्वचालित क्वालीफाइंग मार्क 83.00 मीटर है। मौजूदा विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स, दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी के साथ-साथ नीरज एंड कंपनी को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करना होगा। 2 जूलियन वेबर भी इस वर्ष प्रतियोगिता में भाग लेंगे।

इस इवेंट में जैवलिन थ्रो के कुल 37 एथलिट्स भाग ले रहे हैं। इन एथलिट्स को दो ग्रुप ए और बी में बांटा गया है। नीरज चोपड़ा ग्रुप ए में हैं। इसमें से 12 खिलाड़ी फाइनल के लिए जिनके मुकाबले 27 अगस्त को होगा। फाइनल में ऑटोमेटिक जगह बनाने के लिए एथलीट को कम से कम 83 मीटर मार्क पार करना होगा।

आर प्रज्ञानानंदा की सफलता के पीछे है उनकी मां का हाथ

नई दिल्ली,25अगस्त 2023। कहते हैं कि हर सफल व्यक्ति के पीछे एक महिला का हाथ होता है। ये बात बिलकुल सटीक बैठती है भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद के मामले में भी। महज 18 वर्ष की उम्र में उनकी सफलता के पीछे उनके परिवार का खासतौर से उनकी मां का पूरा हाथ है। बालों पर तेल लगाए, माथे पर हल्का सा चंदन लगाने वाले आर प्रज्ञानंद के साथ साथ इन दिनों उनकी मां नागलक्ष्मी की भी चर्चा हो रही है, जो विश्व चैंपियनशिप जैसे अहम मौके पर हर समय अपने बेटे के साथ खड़ी रही। पहली नजर में देखें तो आर प्रज्ञानंद बेहद ही साधारण बच्चा लगता है मगर वास्तव में वो बेहद खास है। चैस के महारथी और अब छह बार के चैंपियन 31 वर्षीय मैग्नस कार्लसन के खिलाफ जब 18 वर्षीय आर प्रज्ञानंद खेलने उतरे तो हर किसी की निगाहें उन पर टिकी थी। वहीं पूरा भारत आर प्रज्ञानंद की जीत की दुआएं कर रहा था हालांकि किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। इस पूरे टूर्नामेंट के दौरान आर प्रज्ञानानंदा और मैग्नस कार्लसन के अलावा चर्चा में भारतीय ग्रैंडमास्टर की मां की भी चर्चा हुई है।

जानकारी के मुताबिक आर प्रज्ञानानंदा की मां हर टूर्नामेंट में उनके साथ जाती है। आर प्रज्ञानानंदाका विदेश में कोई भी टूर्नामेंट हो रहा हो मगर उनकी मां उनके साथ हमेशा होती है। सिर्फ यही नहीं वो अपने बेटे का पूरे टूर्नामेंट के दौरान बेहद ख्याल रखती है। बेटे के लिए खाना बनाने के लिए वो स्टोव और स्टील के बर्तन भी लेकर जाती है, जिससे ग्रैंडमास्टर के लिए उनकी पसंद का रसम चावल बना सकें।

नागलक्ष्मी की प्रार्थनाओं, ठोस समर्थन और घर के भोजन ने उनके प्रतिभाशाली बेटे को इन उपलब्धियों तक पहुंचाया है। उनके अथक प्रयासों का ही नतीजा है कि खेलने कूदने की उम्र में जब कई युवा अपने भविष्य के संबंध में सही फैसले लेने में भी असमर्थ होते हैं तब आर प्रज्ञानंद दुनिया भर के दिग्गजों को चेस में चुनौती दे रहे है। प्रज्ञानानंदा के हर मैच में उनकी मां उनके साथ सपोर्ट सिस्टम की तरह खड़ी होती है। हर मैच में वो अपने बेटे की जीत के लिए प्रार्थना करती है।

एक बार उन्होंने बताया था कि वो मैच के दौरान बस कोने में बैठी रहती है, मगर उनके दिल की धड़कने बेहद तेज होती है। मैच में पसरी शांति के कारण वो डरती हैं कि कहीं उनके दिल की धड़कनों की तेज आवाज को कोई बाहर ना सुन ले।

लाहिड़ी,अहलावत को पहले दौर के बाद बढत

सेंट एंड्रयूज (स्कॉटलैंड) , 25अगस्त 2023। भारत के अनिर्बान लाहिड़ी और वीर अहलावत ने यहां पहली सेंट एंड्रयूज बे गोल्फ चैम्पियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए पहले दिन छह अंडर 66 के स्कोर के साथ संयुक्त बढत बना ली है ।

लिव सीरिज में दूसरे स्थान पर रहे लाहिड़ी के साथ अहलावत, चिली के मिटो परेरा, स्पेन के डेविड पुइग, दक्षिण अफ्रीका के जाको अहलेर्स , आस्ट्रेलिया के एंड्रयू डॉट शीर्ष पर हैं ।

भारत के विराज मडप्पा संयुक्त सातवें, एसएसपी चौरसिया और गगनजीत भुल्लर संयुक्त 23वें , राहिल गंगजी, राशिद खान और अजितेष संधू संयुक्त 34वें स्थान पर हैं । वहीं एस चिक्कारंगप्पा संयुक्त 52वें स्थान पर हैं ।

खालिन जोशी (संयुक्त 110वें), हनी बैसोया और ज्योति रंधावा (संयुक्त 124वें), कार्तिक शर्मा (संयुक्त 136वें) और करणदीप कोचर (संयुक्त 144वें) को कट में प्रवेश के लिये दूसरे दौर में बेहतरीन प्रदर्शन करना होगा ।

रवीना टंडन जल्द शुरू करेंगी वेलकम टू द जंगल की शूटिंग

फिरोज नाडियाडवाला की फिल्म वेलकम की तीसरी किस्त वेलकम टू द जंगल इन दिनों सुर्खियों में है।फिल्म की स्टारकास्ट को लेकर तरह-तरह की खबरें आती रहती हैं।ऐसी चर्चा है कि रवीना टंडन फिल्म वेलकम टू द जंगल का हिस्सा बन गई हैं और वह 19 साल बाद अक्षय कुमार के साथ अभिनय करती नजर आएंगी।ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक, अक्षय और रवीना वेलकम टू द जंगल की शूटिंग अक्टूबर के पहले सप्ताह में शुरू करने वाले हैं।एक सूत्र ने बताया, रवीना वेलकम की तीसरी किस्त का हिस्सा बन चुकी है और उनकी जोड़ी अक्षय कुमार के साथ बनेगी। रवीना और निर्देशक अहमद खान के बीच चर्चा 2019 की शुरुआत में शुरू हुई थी जब वह डांस रियलिटी शो नच बलिए 9 की शूटिंग कर रहे थे।उन्होंने आगे कहा, शूटिंग अक्टूबर के पहले हफ्ते में मुंबई में शुरू होने की संभावना है। बाद का कार्यक्रम विदेशों सहित अन्य जगहों पर हो सकता है।

अनिल कपूर और नाना पाटेकर की 2007 में आई फिल्म वेलकम को दर्शकों ने काफी पसंद किया था।यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भी शानदार प्रदर्शन करने में सफल रही थी, जिसके बाद 2015 में इसका सीक्वल वेलकम बैक आया था।अब इस फ्रेंचाइजी की तीसरी किस्त वेलकम 3 को लेकर चर्चा चल रही है।जहां वेलकम और वेलकम बैक का निर्देशन अनीस बज्मी ने किया था, वहीं वेलकम 3 का निर्देशन अहमद खान करेंगे।

विजय एंटनी ने आगामी प्रोजेक्ट रोमियो का फर्स्ट लुक जारी किया

विजय एंटनी ने इस साल बिचागाडु 2 के साथ जीत का अनुभव किया, जो मूल हिट बिचागाडु की अगली कड़ी थी। हालाँकि, उनके हालिया उद्यम हत्या/कोलाई को खराब समीक्षाओं और व्यावसायिक संघर्ष के कारण निराशा का सामना करना पड़ा।

अपने अगले प्रोजेक्ट, जिसका शीर्षक रोमियो है, में कदम रखते हुए, विजय एंटनी मृणालिनी रवि के साथ एक रोमांटिक संबंध साझा करते हैं, जैसा कि आकर्षक फर्स्ट लुक पोस्टर में पता चला है। अपने नाम के अनुरूप, रोमियो एक आकर्षक रोमांटिक ड्रामा का वादा करता है, जिसका निर्माण मलेशिया में शुरू हो रहा है। तेलुगु संस्करण का नाम लव गुरु है।

विनायक वैथिनाथन द्वारा निर्देशित, यह फिल्म 2024 की गर्मियों में रिलीज़ के लिए तैयार है, जो सिल्वर स्क्रीन पर प्यार और भावनाओं की कहानी लाती है।

CMYK

इमरजेंसी सेवा डॉयल 100/112 के लिए 400 नए वाहनों की खरीदी को मिली मंजूरी

» आपातकाल में जल्द मिलेगी मदद

रायपुर,25अगस्त 2023(ए)। आपातकालीन स्थिति में पुलिस रिस्पांस इमरजेंसी सेवा के रूप में मदद करने वाली डायल 100/112 सेवा के लिए पुलिस को 400 नए वाहन मिलेंगे। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देशन में इसकी खरीदी के लिए वित्त विभाग ने 33 करोड़ रुपए की स्वीकृति दे दी है। इन वाहनों को प्रदेश के सभी 33 जिलों में भेजा जाएगा। वर्ष 2018 में इस योजना को 11 जिलों में लागू किया गया था। इसके लिए 252 वाहनों का क्रय किया गया था। वर्ष 2018 में क्रय किए गए अधिकांश वाहनों ने अपना माइलेज पूरा कर लिया है और कुछ वाहन इसे आगामी कुछ महीने में पूर्ण कर लेंगे। ऐसे में इस व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने के लिए तथा सभी जिलों में संचालित करने नवीन वाहनों की आवश्यकता थी।
जेम की वेबसाइट पर वाहनों की उपलब्धता और दरों के आधार पर शासन की ओर से दी गई स्वीकृति के अनुरूप केंद्रीय क्रय समिति के निर्णय के बाद जेम में आनलाइन प्रदाय आदेश के माध्यम से वाहनों का क्रय होगा।
उल्लेखनीय है कि आपात स्थितियों में यह सेवा बहुत उपयोगी साबित हुई है और इसके माध्यम से गंभीर परिस्थितियों में नागरिकों को आपात मदद त्वरित रूप से मिली है। अब इस सेवा अंतर्गत 400 अतिरिक्त वाहन जुड़ने से यह इमरजेंसी सेवा और भी मजबूत होगी तथा अधिकतम नागरिकों तक इसके लाभ मिल पाएंगे। उल्लेखनीय है कि इस योजना की उपयोगिता को देखते हुए संपूर्ण राज्य में संचालित करने शासन की ओर से प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है और इसके अनुरूप नवीन वाहनों की खरीदी का प्रावधान किया गया।

रायपुर की 4 सीटों पर कांग्रेस के 92 दावेदार

» सबसे ज्यादा दक्षिण में 36, ग्रामीण में 9

रायपुर,25अगस्त 2023(ए)। रायपुर में कांग्रेस की टिकट से चुनाव लड़ने के लिए 92 दावेदारों ने आवेदन किया है। मंगलवार को आवेदन जमा करने का सिलसिल थम गया है। यहां की चारों विधानसभाओं में सबसे ज्यादा 36 दावेदार रायपुर की दक्षिण विधानसभा की सीट से हैं। 17 अगस्त से 22 अगस्त तक आवेदन की प्रक्रिया चली।जबकि रायपुर ग्रामीण में सबसे कम 9 दावेदारों ने अपना आवेदन पत्र जमा किया है। ग्रामीण से इस बार वर्तमान विधायक सत्यनारायण शर्मा चुनाव नहीं लड़ेंगे, उनके बेटे पंकज शर्मा ने आवेदन दिया है। वहीं रायपुर उत्तर से विधायक जुनेजा समेत 33 और पश्चिम से विधायक विकास उपाध्याय समेत 14 दावेदारों के आवेदन आए हैं।

इस बार ऑफलाइन होंगे एडमिशन

» राज्य के कॉलेजों में 10 सितंबर तक एडमिशन होंगे

रायपुर,25अगस्त 2023(ए)। प्रदेश के कॉलेजों में यूजी और पीजी की खाली सीटों पर अब 10 सितंबर तक एडमिशन होंगे। प्रवेश तिथि बढ़ा दी गई है। पहले प्रवेश की अंतिम तिथि 14 अगस्त थी। अंतिम तिथि तक पं. से सम्बद्ध कॉलेजों में स्नातक प्रथम वर्ष की 50 हजार से अधिक सीटें खाली थीं।
रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, सरगुजा विश्वविद्यालय, दुर्ग विश्वविद्यालय, बिलासपुर विश्व विद्यालय और बस्तर विश्व विद्यालय। पीजी सीटें जुड़ने पर रिक्त सीटों की संख्या और भी अधिक हो जाती है। इसे लेकर उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रवेश की तिथि बढ़ा दी गई है।
नए आदेश के बाद 24 अगस्त से दोबारा प्रवेश शुरू होंगे। प्राचार्य स्तर पर 31 अगस्त तक और कुलपति की अनुमति से 10 सितंबर तक प्रवेश दिए जाएंगे। वहीं, 14 अगस्त की स्थिति में एडमिशन को लेकर हुई जांच में यह बात सामने आयी थी कि स्नातक में पीटी से संबद्धता के लिए 42 हजार सीटें हैं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय. तीन स्वायत्त कॉलेजों को छोड़कर अन्य कॉलेजों में लगभग 15,000 यूजी सीटें खाली हैं। इसमें भी बीकॉम, बीए की सीटें अधिक खाली हैं।
इसी तरह सरगुजा यूनिवर्सिटी से संबद्ध कॉलेजों में बीए, बीकॉम, बीएससी और बीसीए प्रथम वर्ष में प्रवेश पर नजर डालें तो 25717 सीटें हैं। इनमें से 14466 यानी 56.25 प्रतिशत सीटों पर प्रवेश हो चुका है। इस यूनिवर्सिटी में यूजी और पीजी में कुल 33107 सीटें हैं, जिनमें से सिर्फ 17035 यानी 51.45 फीसदी सीटों पर ही एडमिशन हो पाया है. अटल यूनिवर्सिटी बिलासपुर के कॉलेजों में यूजी प्रथम वर्ष की करीब 31 हजार सीटें हैं। यहां भी 10 हजार से ज्यादा सीटें बची हुई हैं. इसी तरह दुर्ग यूनिवर्सिटी, रायगढ़ यूनिवर्सिटी, बस्तर यूनिवर्सिटी में भी बड़ी संख्या में यूजी और पीजी सीटें खाली हैं।

भूपेश ने ट्वीट कर क्यों कहा बीजेपी को दूंगा रिटर्न गिफ्ट

रायपुर,25अगस्त 2023(ए)। मुख्यमंत्री भूपेश ने कांग्रेस महासचिव प्रियंका से मिलकर देश प्रदेश की राजनीति पर चर्चा की और ट्वीट कर कहा कि, 75 से ज्यादा सीटें जीत बीजेपी को दूंगा रिटर्न गिफ्ट। भूपेश ने कहा क्योंकि हमारे यहां उपहार के बदले उपहार की परंपरा रही है।

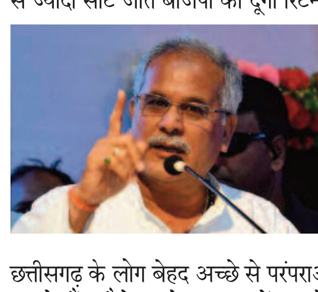

छत्तीसगढ़ के लोग बेहद अच्छे से परंपराओं को निभाना जानते हैं। जैसे हमने 2018 में अच्छे से सबकुछ निभाया था, वैसे ही अबकी बार और बेहतर तरीके से निभाएंगे।ष्टरू भूपेश बघेल अभी दिल्ली के दौरे पर हैं। उन्होंने ईडी की लगातार छापेमारी पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि, ईडी घरों में जाती हैंज्मोबाइल जब्त करती है, संपत्ति और खाते सीज करते हैं। लेकिन इनके पास पूछने के लिए सवाल नहीं होत। कल की प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद सीएम बघेल आज कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी से मुलाकात करने पहुंचे। मुलाकात के बाद उन्होंने ट्वीट कर अपने ही अंदाज़ में बीजेपी को सन्देश दिया है।

इस जिले के स्कूल में अव्यवस्था का आलम

» प्रभारी प्राचार्य की मनमानी से परेशान छात्राएं बैठीं धरने पर

बिलासपुर/मुंगेली ,25अगस्त 2023(ए)। छत्तीसगढ़ के मुंगेली जिले में स्थित लोरमी विकासखंड अंतर्गत साल्हेघोरी हाईस्कूल के छात्राओं ने शिक्षक की कमी और प्रभारी प्राचार्य की मनमानी से त्रस्त होकर शुक्रवार को साल्हेघोरी-खुड़िया मार्ग में चक्काजाम कर दिया। इस दौरान छात्राओं ने तत्काल प्रभारी प्राचार्य सिद्धराम को हटाते हुए अन्य शिक्षकों की नियुक्ति की मांग की। बताया जा रहा है कि, शिक्षकों की कमी और प्रभारी प्राचार्य की मनमानी को लेकर परिजनों के अलावा छात्राएं सहित जनप्रतिनिधियों ने कई बार विभागीय अधिकारियों को शिकायत की, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गइ है। इससे नाराज होकर आक्रोशित छात्राएं आज चक्काजाम कर रही हैं।

स्कूल के चारों तरफ गंदगी ही गंदगी

मिली जानकारी के अनुसार, साल्हेघोरी हाईस्कूल जिसे 2011 में शुरूआत किया गया था, जहां केवल दो शिक्षक के भरोसे 122 बच्चों की पढ़ाई हो रही है। ऐसे में अंदाजा लगाया जा सकता है कि, बच्चों के भविष्य के साथ किस तरीके से विभागीय अधिकारियों की ओर से खिलवाड़ किया जा रहा है। छात्राओं का यह भी कहना है कि स्कूल परिसर में चारों तरफ गंदगी ही गंदगी नजर आता है।

एक भी सफाई कर्मी की नहीं हुई नियुक्ति

दरअसल, स्कूल के नाम पर भवन तो बना दिया गया लेकिन मूलभूत सुविधाओं के लिए आज भी पढ़ने वाले छात्राएं तरस रहे हैं। वहां सफाई कर्मी से लेकर तमाम अन्य पदों पर नियुक्ति ही नहीं हुई है। केवल दो शिक्षक के भरोसे हाईस्कूल में 9वीं और दसवीं के छात्राएं पढ़ने को मजबूर हैं। बहरहाल देखना होगा इस पूरे मामले में जिम्मेदार अधिकारियों की ओर से कब तक छात्राओं की मांग पर कार्रवाई की जाएगी।

रक्षाबंधन से पहले रेलवे ने अपने यात्रियों को दी खुशखबरी!

» निलंबित ट्रेनों में से 7 ट्रेन को पुनः परिचालित करने का लिया निर्णय

रायपुर,25अगस्त 2023(ए)। देशभर में मनाए जाने वाला भाई-बहनो का त्यौहार रक्षाबंधन 30 अगस्त को मनाया जाएगा। इसी के मद्देनजर रेलवे ने नॉन इंटरलॉकिंग कार्य तथा अन्य संरक्षा संबन्धित कार्य के लिए निलंबित किये गए ट्रेनों में से सात (07) ट्रेनों को पुनः परिचालित करने का निर्णय लिया गया है।
इन ट्रेनों को रक्षाबंधन के त्योहार के दौरान चार (04) दिनों के लिए पुनः परिचालित किया जाएगा. इनमें से 04 ट्रेनों को 28 अगस्त से 31 अगस्त तक तथा 3 ट्रेनों को 29 अगस्त से 01 सितंबर तक के लिए रिस्टोर की गई है।
ज्ञात हो कि गोंदिया नॉन इंटरलॉकिंग कार्य तथा अन्य संरक्षा संबन्धित कार्य के लिए इन ट्रेनों का परिचालन निलंबित किया गया था, लेकिन रक्षाबंधन के त्योहार को देखते हुये इनके पुनः परिचालन का निर्णय लिया गया, ताकि त्योहार के दिनों में यात्रियों को आवागमन में अधिक से अधिक सुविधा प्राप्त हो सके।

केशकाल विधानसभा से पूर्व आईएएस टेकाम को टिकट !

रायपुर,25अगस्त 2023(ए)।
छत्तीसगढ़ में इस साल के आखिरी में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर सभी राजनीतिक पार्टियां जोर-शोर से चुनाव की तैयारियों में जुट गए हैं। वहीं सोशल मीडिया पर खबर चल रही है कि, पूर्व आईएएस नीलकंठ टेकाम को प्रत्याशी घोषित किया गया है।
इस संबंध में जब टीआरपी ने पूर्व आईएएस टेकाम से चर्चा की तो उन्होंने भी कहा कि ऐसी जानकारी मुझे भी सोशल मीडिया के माध्यम से मिल रही है। उल्लेखनीय है कि, भाजपा छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव 2023 के लिए 21 प्रत्याशियों का ऐलान कर चुकी है। पूर्व द्बस्टेकाम हाल ही में भाजपा प्रवेश किया है।छात्र जीवन से बुनियादी समस्याओं के समाधान के लिए सक्रिय रहे नीलकंठ टेकाम का जन्म कांकेर के अंतागढ़ ब्लॉक में हुआ। यहां प्रारंभिक शिक्षा के बाद आगे की पढ़ाई के लिए वे कांकेर जिला मुख्यालय में आ गए। जहां कॉलेज की पढ़ाई के साथ ही छात्र राजनीति में वे सक्रिय हो गए।कॉलेज के हॉस्टल में रहकर ही छात्र संघ चुनाव में हिस्सा लेकर अपने कॉलेज का प्रतिनिधित्व करने लगे और 1987-88 कांकेर महाविद्याल के छात्र संघ अध्यक्ष निर्वाचित हुए। वहीं 1989 में समाज शास्त्र स्नातकोत्तर के बाद मात्र 7 दिनों के लिए 1991 में शिक्षक के रूप में टेकाम चयनित हुए। कुछ ही दिनों के बाद अविभाजित मध्यप्रदेश में खंडवा महिला कॉलेज में प्रोफेसरी और इसके बाद 1994 में मध्यप्रदेश पीएससी में टॉप सूची में शामिल हुए। बतौर डिप्टी कलेक्टर चयनित होकर बस्तर का नाम गौरवान्वित किया।

कस्टम मिलिंग का चावल जमा नहीं करने वाले राइस मिलर्स का 800 क्विंटल धान एवं 400 क्विंटल चावल जब्त

बिलासपुर,25अगस्त 2023(ए)। कस्टम मिलिंग के नियमों एवं सरकार के निर्देश का पालन नहीं करने वाले राइस मिलर्स के खिलाफ खाद्य विभाग ने छापेमारी कर भारी मात्रा में धान एवं चावल जब्त किया गया है। मामला बिलासपुर जिले के बिल्हा का है जहां कस्टम मिलिंग के तहत तय कोटे का चावल भारतीय खाद्य निगम के गोदाम में जमा न करने के कारण बिल्हा के राइस मिलर्स के संस्थान मां नारायणी राइस प्रोडक्ट में खाद्य विभाग के अफसरों ने छापामार कार्रवाई की है। राइस मिल से 10 हजार 800 क्विंटल धान एवं 400 क्विंटल चावल जब्त किया गया है।
कलेक्टर के निर्देश पर जिले में कस्टम मिलिंग चावल समयावधि में जमा नहीं किये जाने के कारण खाद्य निरीक्षक बिल्हा द्वारा राइस मिलर्स पर कार्रवाई की गई। खाद्य निरीक्षक द्वारा मां नारायणी राइस प्रोडक्ट विकासखंड बिल्हा की जांच की गई। जांच में मिलर द्वारा आवश्यक पंजियों का संधारण नहीं किया जाना पाया गया। राइस मिल के भौतिक सत्यापन में उसके द्वारा उठाव किये गये धान, भारतीय खाद्य निगम एवं नागरिक आपूर्ति निगम में जमा किये गये चावल एवं राइस मिल में उपलब्ध धान का मिलान किये जाने पर राइस मिल में 909 क्विंटल धान कम पाया गया। उपरोक्त अनियमितता पाये जाने के कारण राइस मिल में प्राप्त 10,800 क्विंटल धान एवं 400 क्विंटल चावल जब्त कर छत्तीसगढ़ कस्टम मिलिंग चावल उपार्जन आदेश 2016 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है।

जिले में हैं 110 पंजीकृत राइस

मिलर्स कस्टम मिलिंग के तहत भारतीय खाद्य निगम को चावल जमा करने के लिए खाद्य विभाग ने राज्य शासन के मापदंड के अनुसार जिले के 110 राइस मिलर्स को पंजीकृत किया है। पंजीयन और जरूरी शर्तों को पूरा करने के बाद राइस मिलरों को समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के बाद उपार्जन केंद्रों व संग्रहण केंद्रों से धान का उठाव करने के लिए डीओ जारी किया गया था। जारी डीओ के अनुसार कोटे का धान राइस मिलरों ने उठाव कर लिया है। धान का उठाव के बाद अब तक कस्टम मिलिंग के तहत तय कोटे का चावल भारतीय खाद्य निगम में जमा नहीं किया गया है। इसे लेकर राज्य शासन ने नाराजगी जाहिर की है। शासन के निर्देश पर धान का उठाव के बाद भी चावल जमा न करने वाले मिलरों के प्रतिष्ठान में छापा मारने और जरूरी कार्रवाई के निर्देश जारी किए हैं।

महादेव एप पर कार्यवाही पर कांग्रेस सरकार बौखला क्यों रही हैं:बृजमोहन

रायपुर,25अगस्त 2023(ए)। पूर्व मंत्री व वरिष्ठ विधायक बृजमोहन अग्रवाल ने भाजपा कार्यालय एकात्म परिसर में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि ईडी की कारवाई के बाद जितने बदहवास मुख्यमंत्री भूपेश बघेल दिख रहे हैं। उससे साफ समझ में आ रहा है कि इन तमाम घोटालों का किंगपिन और पॉलिटिकल मास्टर कौन है। इतने बदहवास तो मुख्यमंत्री भूपेश तब भी नहीं दिखे थे जब उनकी नजदीकी उप सचिव जेल गयी थी। यह बदहवासी से लगता है कि चोर की दाढ़ी में तिनका। जिस तरह से आरोपियों, अपराधियों, संदिग्धों के पक्ष में बकायदा कांग्रेस के प्रदेश और राष्ट्रीय कार्यालयों का उपयोग किया गया वह आश्चर्यजनक है।
बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि ईडी ने यह कार्रवाई तब शुरू की जब छत्तीसगढ़ पुलिस ने सबसे पहले महादेव बुक एप की ऑनलाइन सट्टेबाजी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। हालांकि यह भी सबको मालूम है कि यह एफआईआर असल मुजरिमों को बचाने और कार्रवाई के नाम पर लिपा पोती के लिए दर्ज की गई थी। इसके पहले विशाखापटनम पुलिस ने भी इस नेटवर्क के खिलाफ विस्तृत जांच की थी। जिसमें इस गिरोह के काम करने के तौर तरीकों और हजारों करोड़ के बेनामी लेन-देन का भांडाफोड़ किया गया था। सभी एफआईआर से मनी लॉड्रिंग की बू आ रही थी और आईपीसी की धारा के तहत मनी लॉड्रिंग की जांच राज्य पुलिस नहीं कर सकती सिर्फ केन्द्रीय एजेंसी कर सकती है। तो भूपेश बघेल को आपत्ति क्यों? आंध्रप्रदेश में भी इसी मामले में कार्यवाही को लेकर वहां के मुख्यमंत्री ने कोई हो हल्ला नहीं मचाई।
अगर मुख्यमंत्री पाक-साफ होते तो न केवल ईडी की तमाम कारवाई का स्वागत करते, जांच में पूरा सहयोग करते बल्कि एजेंसी को धन्यवाद भी देते कि छत्तीसगढ़ को इस बेदर्दी से लूटने वालों पर कारवाई कर रही है केन्द्रीय एजेंसियां। जबकि उलटे ईडी के खिलाफ न केवल रायपुर और दिल्ली तक प्रेस आदि किया जा रहा है। बल्कि ईडी के अधिकारियों के खिलाफ गाली-गलौज और हिंसा भी की जा रही है। जिस तरह कल भिलाई में अपना काम कर रहे अधिकारियों के खिलाफ आरोपियों के गुंडों ने हिंसा करने की कोशिश की। बल्कि गाड़ियों में तोड़-फोड़ भी की। इससे छत्तीसगढ़ बदनाम हो रहा है। कांग्रेस के नेताओं के संरक्षण में इस तरह की हिमाकत करने वालों पर कड़ी कारवाई मुख्यमंत्री को करनी चाहिए।
विधायक अग्रवाल ने कहा कि जो काम कांग्रेस की स्थानीय सरकार को करनी चाहिए थी, जिस ऑनलाइन सट्टे के खिलाफ मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को अभियान चलाना चाहिए था, उसके उलट - जैसा कि ईडी के प्रेस रिलीज में आरोप है, शासन के उच्च स्तरीय लोग अपराधियों से वसूली में लगे थे और संरक्षण दे रहे थे। जब-जब सट्टेबाजों के खिलाफ आवाज उठायी जाती थी, तब-तब रसूखदारों के कमीशन का रेट बढ़ जाता था। ईडी की कार्यवाई छत्तीसगढ़ और आंध्रप्रदेश

पुलिस दर्ज बुनियाद पर की जा रही है। और ईडी की अब तक की जाँच के मुताबिक सट्टे का यह नेटवर्क हजारो करोड़ रूपये का है। सट्टेबाजों के हौसले इतने बुलंद थे कि बकायदा पूरे-पूरे पेज का विज्ञापन जारी कर ये अपना यूजर बढ़ा रहे थे, एक तरह से प्रदेश और शासन को मूंह चिढ़ा रहे थे ये। प्रदेश के युवाओं की गाढ़ी कमाई विदेशों में भेजी जा रही थी और बजाय अपराधियों पर कारवाई के शासन-प्रशां से जुड़े लोग कमीशन खाने में व्यस्त थे।छत्तीसगढ़ के गरीब और भोले भाले युवाओं को ऑनलाइन जुए की लत लगाकर इस बेदर्दी से संस्थागत लूट की जितनी निंदा की जाय, वह कम है। इस महीने की 10 तारीख को गुढ़ियारी पुलिस द्वारा दर्ज मामले में पता चला है कि किस तरह इस गिरोह के लोग भोलेभाले लोगों के आधार कार्ड और दस्तावेज हासिक करके फर्जी बैंक खाते खुलवा रहे थे और इन खातों के जरिये करोड़ों का अवैध लेन-देन किया जा रहा था।

न्यायधानी में बदमाशों के हौसले बुलंद

रास्ता रोककर युवक को चाकू से गोदा,मौके पर हुई मौत

बिलासपुर,25अगस्त 2023(ए)। छत्तीसगढ़ की न्यायधानी बिलासपुर में बदमाशों के हौसले बुलंद हैं. पुलिस से बिना खौफ खाए अपराध को अंजाम दे रहे हैं. एक ताजा मामला हत्या का सरकंडा थाना क्षेत्र से आया है. यहां बदमाशों ने एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी है. मामले की सूचना मिलते ही सरकंडा पुलिस मौके पर पहुंचकर मर्ग कायम कर जांच में जुट गई है. पुलिस ने कुछ संदेहियों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है. बताया जा रहा है कि मामला पुरानी रंजिश का है.जानकारी के अनुसार, बुधवार की देर रात सरकंडा थाना क्षेत्र के इमली भाटा में पुरानी रंजिश के चलते एक युवक की चाकू मारकर हत्या अज्ञात आरोपियों ने हत्या कर दी. मृत युवक का नाम राजेश रावत उर्फ चकरा गोलू राजेन्द्र नगर का रहने वाला था. निगम की पार्किंग में काम करता था. बताया जा रहा है कि देर रात राजेश बाइक से अपने ओर जा रहा था तभी अज्ञात युवकों ने रास्ता रोककर उसपर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया. जिससे राजेश की मौके पर ही मौत हो गई. घटना की सूचना पर पहुंची सरकंडा पुलिस जांच में जुट गई है. मामले में पुलिस कुछ संदेहियों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)